सुविचार

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 200 ■ मंडला, सोमवार 5 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

पाकिस्तानी एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान

खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप कोयंबटूर से गिरफ्तार; 2026 का तीसरा मामला



कोयंबटूर। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (CI) सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप (INS) अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली।

प्रदीप से काउंटर इंटेलिजेंस मुख्यालय में पूछताछ

काउंटर इंटेलिजेंस की स्पेशल टीम शनिवार सुबह INS अग्रणी पहुंची और प्रदीप को हिरासत में ले लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इसके बाद जांचकताओं ने प्रदीप को स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया और ट्रांजिट वारंट हासिल किया। शाम को उसे आगे की पूछताछ के लिए विजयवाड़ा स्थित काउंटर इंटेलिजेंस मुख्यालय ले जाया गया। जांच एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि कितनी और किस तरह की रक्षा जानकारी लीक हुई है। यह भी जांच की जा रही है कि प्रदीप को जानकारी साझा करने के बदले हवाला या डिजिटल पेमेंट के जरिए कोई पैसा दिया गया था या नहीं।

2014 में इंडियन नेवी में शामिल हुआ था

प्रदीप 2014 में इंडियन नेवी में नाविक के तौर पर शामिल हुआ था। वह विशाखापट्टनम स्थित ईस्टर्न नेवल कमांड के तहत तैनात था। करीब एक सप्ताह पहले ही वह मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स के लिए कच्चर अग्रणी पहुंचा था। एक अधिकारी के मुताबिक लीक हुई जानकारी में रणनीतिक नौसैनिक संपत्तियों, जहाजों की आवाजाही और ऑपरेशनल व्यवस्था से जुड़ी जानकारी शामिल थी। पुलिस की उकसेल ने संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों का पता चलने के बाद प्रदीप को निगरानी में रखा है।

दिल्ली पुलिस लाई नार्को किंगपिन नवप्रीत को; अफगानिस्तान से आने वाली ड्रग्स की शिवपुरी में होती थी प्रोसेसिंग

MP की ड्रग फैक्ट्री का मास्टरमाइंड तुर्की से गिरफ्तार



भोपाल। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में ड्रग्स की प्रोसेसिंग के लिए फैक्ट्री चलाने वाले नार्को नेटवर्क के किंगपिन नवप्रीत सिंह उर्फ नव को शनिवार सुबह तुर्की से भारत लाया गया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के सहयोग से उसे डिपोर्ट कराया। नवप्रीत दिल्ली पुलिस के दो बड़े नारकोटिक्स मामलों में वांटेड था और अदालत उसे प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर घोषित कर चुकी थी। वह फर्जी पासपोर्ट के जरिए 2019 में भारत से भाग गया था।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान तक नेटवर्क के संकेत- दिल्ली पुलिस के डीसीपी स्पेशल सेल प्रवीण त्रिपाठी के मुताबिक, अमृतसर का रहने वाला नवप्रीत विदेश में बैठकर भारत में अपने स्थानीय सहयोगियों के जरिए ड्रग्स का नेटवर्क चला रहा था। उसके नेटवर्क की कड़ियां अफगानिस्तान, पाकिस्तान और कुछ यूरोपीय देशों तक जुड़ी होने के संकेत मिले हैं। **360 किलो हेरोइन मामले में मुख्य आरोपी-** नवप्रीत दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के दो बड़े मामलों में मुख्य आरोपी और नेटवर्क का हैंडलर था। पहले मामले में दिल्ली और फरीदाबाद से 360 किलो हेरोइन बरामद हुई थी। इस केस में 11 आरोपी गिरफ्तार हुए थे, जिनमें एक अफगान नागरिक भी शामिल था। दूसरे मामले में दिल्ली और उत्तर प्रदेश से 333 किलो कॉन्ट्राबैंड बरामद किया गया था। इस केस में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, नवप्रीत विदेश से स्थानीय आरोपियों को निर्देश देता था और ड्रग्स की आवाजाही की निगरानी करता था।

अफगानिस्तान से आती थी खेप

जांच में सामने आया कि ड्रग्स की खेप अफगानिस्तान से भारत लाई जाती थी। इसे ड्राई फ्रूट्स के बैग, जूट के बोरों और कार्टन्स में छिपाकर भेजा जाता था। इसके बाद मध्यप्रदेश के शिवपुरी में स्थापित फैक्ट्री में ड्रग्स की प्रोसेसिंग की जाती थी। प्रोसेसिंग के बाद तैयार नशीले पदार्थों को देश के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई किया जाता था। नवप्रीत अपने स्थानीय सहयोगियों से एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क करता था और खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के निर्देश देता था।

शिवपुरी में फैक्ट्री सामने आने से खुली सप्लाई चेन

नवप्रीत के नेटवर्क में शिवपुरी की फैक्ट्री सामने आना मध्यप्रदेश के लिहाज से अहम है। जांच में शिवपुरी को ड्रग्स की प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन के एक महत्वपूर्ण ठिकाने के तौर पर देखा गया। पुलिस अब नवप्रीत से पूछताछ के जरिए शिवपुरी में उसके नेटवर्क से जुड़े लोगों, फैक्ट्री के संचालन और ड्रग्स की सप्लाई से जुड़े अन्य ठिकानों की जानकारी जुटाएगी।

मई में कजिन प्रभदीप भी लाया गया था

दिल्ली पुलिस ने मई 2026 में नवप्रीत के करीबी सहयोगी और कजिन प्रभदीप हैरी को अजरबैजान से एक्सट्राडिट कराया था। स्पेशल सेल की टीम उसे अजरबैजान से भारत लेकर आई थी। अब पुलिस नवप्रीत और प्रभदीप से मिली जानकारी को जोड़कर पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है।

नार्को-टेरर फंडिंग की भी जांच

डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी के मुताबिक, जांच में नार्को-टेरर ट्रेल के भी संकेत मिले हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ड्रग्स की बिक्री से हासिल रकम का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों की फंडिंग में तो नहीं किया गया। नवप्रीत से पूछताछ में अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन, स्थानीय सहयोगियों, कम्युनिकेशन चैनल और संभावित टेरर फंडिंग से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

नेतन्याहू ने भारतीय पायलट को फोन किया PM मोदी के साथ मशाल जलाने का न्योता दिया

स्मित बोले- हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी



तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया।

ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया

घटना 30 सितंबर की है। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुंचकर आरोपी को काबू किया और विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। विमान की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें सवार सभी 174 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। **कैप्टन बोले- को-पायलट ने पीछे से कई वार किएङ्घपढ़िए नेतन्याहू से उनकी पूरी बातचीत-** नेतन्याहूः स्मित, क्या आप मुझे सुन रहे हैं? कैप्टन स्मितः हां सर, सुन रहा हूं। आप कैसे हैं? नेतन्याहूः मैं ठीक हूं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? कैप्टन स्मितः मैं ठीक होने की कोशिश कर रहा हूं। नेतन्याहूः मुश्किल हालात में भी आपके साहस और सूझबूझ को देखकर मैं हैरान हूं। मैं चाहता हूं कि आप जल्दी ठीक हो जाएं। ये सब कैसे हुआ, मुझे बताइए। कैप्टन स्मितः वह एक नॉर्मल फ्लाइट थी। को-पायलट ने कहा कि वह नमाज करना चाहता है। बहुत से लोकल लोग ऐसा करते हैं। इसलिए मुझे यह अजीब नहीं लगा। वह मेरे पीछे बैठकर नमाज करने लगा। मैं सामने देख रहा था। करीब 4-5 मिनट बाद अचानक मेरे सिर के पीछे जोरदार वार हुआ। पहले मुझे लगा कि विमान को कोई गंभीर नुकसान हुआ है और कुछ गड़बड़ हो गई है। लेकिन इसके बाद एक के बाद एक वार होते रहे। तब मुझे समझ आया कि विमान को नहीं, बल्कि कॉकपिट में मेरे साथ मौजूद को-पायसट ने मुझ पर हमला किया है।

डिंडौरी में विधायक-जिलाध्यक्ष ने अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों को फटकारा

धुर्वे बोले- 'परिषद भाजपा की है, वोट मांगने हम जाते हैं'; सबको BJP कार्यालय बुलाओ



डिंडौरी। डिंडौरी के नगर परिषद कार्यालय में सेवा सेतु अभियान के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम और शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने अधिकारियों व नपा के जनप्रतिनिधियों को फटकारा। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए तालमेल बनाने को कहा। **शिविर में सिर्फ लाभार्थी दिख रहे-** जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिविर में सिर्फ लाभार्थी दिख रहे हैं, जबकि सरकार समस्या वाले लोगों को लाभ दिलाना चाहती है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों की कमी बताई, कहा पार्षद अपने क्षेत्र की समस्याएं देखें। विधायक ने जनता से समस्या पूछी। रामकली बघेल ने राशन पर्ची न बनने की बात कही, जिस पर सीएमओ दस्तावेज नहीं बता पाए और विधायक ने नाराजगी जताई। सुनील ने अस्थायी पट्टे के बाद आवास के लिए भटकने की शिकायत की। **सबको कार्यालय में बुलाओ-** विधायक ने अध्यक्ष-पार्षदों से कहा कि वे अधिकारियों से संपर्क करें, निर्माण कार्यों में रुचि न लें। चुनाव आ रहे हैं। वोट मांगने हाथ जोड़ने का काम करते है हम। जिला अध्यक्ष जी सबको कार्यालय बुलाओ बैठक ले इनकी। **कलेक्टर बोलीं संवेदना के साथ सुने समस्याएं-** कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि अधिकारियों को समस्या से प्रभावित हितग्राहियों की बात संवेदन शीलता के साथ सुनें। उनकी मदद करके योजनाओं का लाभ दिलाए, तभी शत प्रतिशत उन लोगों को लाभ मिलेगा। इनको वास्तव में जरूरत है। कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष सुनीता सारस, उपाध्यक्ष सारिका नायक, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, महेश धूमकेती सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

'बांग्लादेश से लाकर भारत में बेचने की साजिश': अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह का पदार्फाश, म्यांमार की 4 युवतियां बरामद



भोपाल/ ग्वालियर । जीआरपी ने अंतर्राष्ट्रीय मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए बांग्लादेश के कुतुपालोंग शरणार्थी शिविर से अवैध रूप से सीमा पार कराकर भारत में बेचने(शादी के लिए) लाई गई म्यांमार की चार युवतियों और मानव तस्करी में शामिल म्यांमार के दो पुरुषों को पकड़ा है। दोनों मुख्य आरोपी रोहिंग्या मुसलमान हैं और भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। चारों युवतियों को जम्मू-कश्मीर ले जाया जा रहा था। स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के जनरल कोच से एक बिचौलिया पकड़ा गया था। उससे पूछताछ के बाद जीआरपी की टीम ने उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ में दूसरे बिचौलिये के यहां दबिश दी। यहां से चारों युवतियों को बरामद किया गया है। यह बिचौलिया भी भारत में बगैर नागरिकता के रह रहा था और मूल रूप से म्यांमार का रहने वाला है।

ट्रेन में दबिश, आधा घंटा चली सर्चिंग

एसपी जीआरपी अंकित जायसवाल ने बताया कि भोपाल कंट्रोल रूम मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रेन क्रमांक 12643 स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के जनरल कोच में म्यांमार निवासी संदिग्ध युवक सफर कर रहा है, जो अवैध रूप से लड़कियों की भारत में तस्करी कर शादी कराता है। इस पर जीआरपी थाना प्रभारी ग्वालियर को अलर्ट किया गया और उन्होंने टीम के साथ ट्रेन में चेकिंग अभियान चलाया और हुलिए के आधार पर आरोपित मुबीन (25) निवासी बूशीदंग थम्बाजार म्यांमार (हाल निवासी हैदराबाद) को हिरासत में लिया। वह अभी हैदराबाद स्थित रायल कालोनी बालापुर में रह रहा था। उसका परिवार भी हैदराबाद में रहता है।

गूगल ट्रांसलेटर की मदद से सुलझी गुत्थी

पूछताछ में आरोपित मुबीन ने बताया कि उसका साथी मोहम्मद हसन (35) निवासी म्यांमार युवतियों को लेकर अलीगढ़ के एक किराए के मकान में रुका है। पुलिस ने अलीगढ़ में दबिश देकर मो. हसन के कब्जे से चार युवतियों (जिनमें दो नाबालिग हैं) को दस्तयाब किया। युवतियों को केवल बंगाली-असमिया भाषा आती थी, जिससे भाषा संबंधी समस्या आई। इसके बाद पुलिस ने गूगल ट्रांसलेटर और द्विभाषी (ट्रांसलेटर) की मदद से पूछताछ की। तब खुलासा हुआ कि इन्हें बेचने के लिए भारत लाया गया था। जीआरपी एसपी अंकित जायसवाल इस मामले में अभी और पूछताछ होना बाकी है। द्विभाषिये की मांग की गई है। जिससे इनसे आसानी से पूछताछ हो सके।

नदी-पहाड़ों के रास्ते घुसाया, जम्मू श्रीनगर में तय की थी शादी

पूछताछ में सामने आया कि युवतियों को बांग्लादेश के कुतुपालोंग रिफ्यूजी शरणार्थी शिविर से उनके माता-पिता की सहमति बताकर नदी और पहाड़ों के दुर्गम रास्तों से अवैध रूप से भारतीय सीमा में दाखिल कराया गया था। आरोपित इनकी शादी जम्मू एवं श्रीनगर में कराने की योजना बना रहे थे। वैधानिक कार्रवाई के बाद चारों युवतियों को डिपोर्ट किया जाएगा। रोहिंग्या मुसलमानों का गिरोह बांग्लादेश-म्यांमार की लड़कियों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश कराकर बेच रहा है। इसकी सूचना मिली थी। इसके बाद टीम को लगाया गया। ग्वालियर यूनिट ने कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपितों को पकड़ा है। अलीगढ़ से चार युवतियां बरामद हुई हैं, जो म्यांमार की रहने वाली हैं। अभी इसमें और खुलासे होंगे। - राजाबाबू सिंह, स्पेशल डीजी, रेल

दिल्ली में भी AAP, स्टूडेंट यूनियन सड़क पर उतरे; CEC के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन



मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जॉइंट प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए रक्कको रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश में पिछले तीन दिनों में दो शहरों में तीन बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। उसके अलावा अलग-अलग संगठन और पार्टियां भी विरोध मार्च निकाल चुकी हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, आज के विरोध मार्च के आयोजकों के खिलाफ आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में बिना इजाजत मार्च निकालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। **राज ठाकरे बोले- SIR प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं-** महाराष्ट्र में रक्कप्रक्रिया रद्द की जाए: हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी रक्कप्रक्रिया रद्द की जाए। कानून के मुताबिक, रक्ककिसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल की गई। अब रक्कके जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये 2 करोड़ मतदाता कौन हैं? हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है: हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे चला रहे हैं और सत्ता का इस्तेमाल किस तरह कर रहे हैं। सरकार कौन बनाएगा और सरकार कैसे चलेगी, इसका फैसला जनता और मतदाताओं को करना चाहिए। इसका फैसला चुनाव आयोग को नहीं करना चाहिए।

उद्धव की स्पीच, 2 बड़ी बातें; बोले- मेरा सवाल चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर है

करोड़ों लोगों के नाम वोटर्स लिस्ट से हटाए गए: देशभर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। बंगाल और तमिलनाडु में भी मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। पश्चिम बंगाल में अभी उपचुनाव हो रहा है और लोग अपने वोट देने के अधिकार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट कहता है कि यह सिर्फ उपचुनाव है, इससे क्या फर्क पड़ता है? यह भी अभी तय नहीं है कि कल सुनवाई होगी या नहीं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति चुनाव से होनी चाहिए: चुनाव आयोग की नियुक्ति चुनाव के जरिए होनी चाहिए। पहले एक समिति होती थी, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता शामिल होते थे। उन्होंने (केंद्र सरकार ने) इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। उनकी जगह प्रधानमंत्री द्वारा चुने गए एक मंत्री को नियुक्त किया गया।





भैंसासुर-चौथा पुल मार्ग पर गहरे गड्ढे और जलभराव से बढ़ी परेशानी



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के अति व्यस्त मार्गों में शामिल भैंसासुर-चौथा पुल मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। यह मार्ग सदर और शहर के अन्य हिस्सों को जोड़ता है और यहां लगातार वाहनों की आवाजाही रहती है। कुछ दिनों पहले सड़क निर्माण के नाम पर मार्ग की खुदाई की गई थी, लेकिन इसके बाद काम की धीमी रफ्तार से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। क्षेत्र में सड़क की स्थिति लंबे समय से खराब होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। हाल में हुई बारिश के बाद सड़क पर खोदे गए गड्ढों में पानी भर गया है। इससे वाहन चालकों को सड़क की गहराई का अंदाजा नहीं लग पा रहा है और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार हाल ही में स्विफ्ट और क्रेटा कार गड्ढों और पानी में फंस गईं। इसके चलते काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा और मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई। सड़क के एक हिस्से में गड्ढे और जलभराव होने के कारण यातायात फिलहाल सीमित हिस्से से संचालित हो रहा है। इसके बावजूद निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही गड्ढों के आसपास बैरिकेडिंग की गई है। रात के समय यह स्थिति और ज्यादा खतरनाक हो सकती है। स्थानीय रहवासियों के मुताबिक सड़क को आधा-अधूरा खोदकर छोड़ दिया गया है। बारिश का पानी जमा होने से गड्ढे दिखाई नहीं देते और वाहन चालकों को अचानक उनमें उतरने का खतरा रहता है। भारी वाहनों और दोपहिया चालकों के लिए भी यहां से निकलना मुश्किल हो गया है। यातायात का दबाव अधिक होने के कारण समस्या और बढ़ जाती है। काम में देरी को लेकर जेसीबी ठेकेदार से पूछे जाने पर उसने रॉयल्टी के दाम बढ़ने और गिट्टी की कीमतों में वृद्धि को काम प्रभावित होने का कारण बताया। ठेकेदार के अनुसार सामग्री और लेवलिंग से जुड़ी दिक्कतों के चलते काम की रफ्तार प्रभावित हुई है। हालांकि, निर्माण कार्य में देरी के बीच सड़क को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए जाने की जरूरत स्थानीय लोग बता रहे हैं। सड़क की खुदाई का असर आसपास के रहवासियों और दुकानदारों पर भी पड़ रहा है। धूल-मिट्टी उड़ने के कारण दुकानों और घरों के आसपास परेशानी बनी हुई है। कई मकानों के सामने सड़क खुदी होने से लोगों को अपने वाहन बाहर निकालने में भी दिक्कत हो रही है। बारिश के बाद कीचड़ और पानी जमा होने से पैदल आने-जाने वालों की परेशानी भी बढ़ गई है। रहवासियों का कहना है कि निर्माण की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए उन्हें जल्द राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। उनका कहना है कि यदि काम इसी गति से चलता रहा तो त्योहारों के दौरान यातायात का दबाव बढ़ने पर स्थिति और बिगड़ सकती है। मार्ग शहर के महत्वपूर्ण हिस्सों को जोड़ता है, इसलिए निर्माण के दौरान आवागमन को सुचारु रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए जाने चाहिए। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की है। साथ ही गड्ढों को जल्द समतल करने, जलभराव की समस्या दूर करने तथा निर्माण स्थल पर बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की गई है। लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण जरूरी है, लेकिन जब तक काम पूरा नहीं होता, तब तक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना भी संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी है।

सूदखोरों और चिटफंड कंपनियों पर शिकंजे की तैयारी, पुरानी शिकायतों की भी होगी जांच



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जरूरतमंद लोगों को ब्याज पर कर्ज देकर मनमाने तरीके से रकम वसूलने वाले सूदखोरों और लोगों को निवेश के नाम पर ठगने वाली चिटफंड कंपनियों के खिलाफ पुलिस जल्द अभियान शुरू करने की तैयारी में है। जनसुनवाई के साथ पुलिस अधिकारियों तक लगातार पहुंच रही शिकायतों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई का खाका तैयार किया है। अभियान के दौरान सूदखोरों, चिटफंड कंपनियों और उनके संचालकों के खिलाफ शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार शहर के साथ ग्रामीण थाना क्षेत्रों में भी सूदखोरी और चिटफंड कंपनियों से जुड़ी शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों और छोटे किसानों को चिटफंड कंपनियों के एजेंट आकर्षक योजनाओं और अधिक लाभ का झांसा देकर निवेश के लिए प्रेरित करते हैं। इसके बाद लोगों से कंपनी की विभिन्न पॉलिसियों और योजनाओं में रकम जमा कराई जाती है। निवेश की राशि बढ़ने के बाद कई मामलों में कंपनी बंद कर संचालकों के फरार होने की शिकायतें पुलिस तक पहुंची हैं। बताया गया है कि चिटफंड कंपनियों की ओर से लोगों को उनकी जमा रकम पर बेहतर रिटर्न और अन्य लाभ का भरोसा दिलाया जाता है। एजेंट गांवों और शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों से संपर्क कर उन्हें योजनाओं की जानकारी देते हैं। बड़ी संख्या में लोगों से राशि जमा होने के बाद कंपनी के संचालन से जुड़े लोगों के संपर्क से बाहर हो जाने और निवेशकों की रकम वापस नहीं मिलने की शिकायतें सामने आई हैं। पुलिस अब ऐसी शिकायतों की जानकारी जुटाकर मामलों की जांच की तैयारी कर रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सूदखोरी से जुड़े अधिक मामले रांझी, खमरिया, गोहलपुर, सिहोरा, पाटन, गढ़ा, अधारताल, कोतवाली और हनुमानताल थाना क्षेत्रों से सामने आए हैं। इन क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को कर्ज देने के बाद ऊंची दर से ब्याज वसूलने की शिकायतें पुलिस तक पहुंची हैं। कई मामलों में आरोप है कि कर्ज लेने वाले व्यक्ति से मूल रकम के साथ लगातार ब्याज वसूला जाता है, जिससे वह लंबे समय तक कर्ज के बोझ से बाहर नहीं निकल पाता। सूदखोरों पर आरोप है कि वे कर्ज देने के बदले जरूरतमंद लोगों की ऋण पुस्तिका, मकान या प्लॉट के दस्तावेज, जमीन के कागजात, जेवर, बैंक पासबुक और एटीएम तक गिरवी रखवा लेते हैं। इसके बाद ब्याज पर ब्याज वसूले जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। समय पर रकम नहीं चुका पाने वाले लोगों पर अतिरिक्त भुगतान का दबाव बनाए जाने की शिकायतों को भी पुलिस कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण मान रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सूदखोरों और चिटफंड कंपनियों की गतिविधियों के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में सैकड़ों लोग आर्थिक नुकसान का सामना कर चुके हैं। पिछले करीब एक से डेढ़ वर्ष के दौरान दर्जनभर से अधिक चिटफंड कंपनियों के खिलाफ लोगों ने शिकायतें की हैं। कई मामलों में फर्जी नाम, पते और पहचान के आधार पर कंपनियां या उनके नेटवर्क तैयार कर लोगों से निवेश कराने और बाद में रकम लेकर गायब होने की शिकायत भी सामने आई है। पुलिस अब बीते एक से डेढ़ वर्ष के दौरान सूदखोरी और चिटफंड कंपनियों से संबंधित प्राप्त शिकायतों की भी जांच कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए अलग जांच टीम गठित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। टीम प्रत्येक शिकायत की गंभीरता से पड़ताल करेगी और शिकायत में सामने आए दस्तावेज, लेनदेन और संबंधित लोगों की भूमिका की जांच करेगी।

मेडिकल कॉलेज में पांच दिन से जलसंकट, वार्डों की सफाई व्यवस्था चरमराई

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रमनगरा प्लांट की मेन राइजिंग पाइपलाइन में आई खराबी का असर नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर पड़ा है। पिछले पांच दिनों से अस्पताल में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण वार्डों की नियमित साफ-सफाई प्रभावित रही। बड़े अस्पताल में जलसंकट के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। पानी की कमी का असर अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं पर दिखाई दिया। वार्डों की सफाई के साथ मरीजों की देखभाल, आपातकालीन सेवाओं, ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्थाएं भी प्रभावित होने की बात सामने आई है। लगातार पांच दिन तक पर्याप्त जलापूर्ति नहीं होने से अस्पताल प्रबंधन के सामने दैनिक व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा। अस्पताल परिसर में सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का काम संभालने वाली एससीएल यूडीएस आउटसोर्सिंग कंपनी ने भी पानी की उपलब्धता नहीं होने पर काम करने में असमर्थता जताई। कंपनी की ओर से पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की गई। इसके बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन और कंपनी के बीच व्यवस्था को लेकर स्थिति बनी रही। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने कंपनी से साफ-सफाई के लिए पानी की व्यवस्था स्वयं करने को कहा। इसके बाद कंपनी ने परिसर की सफाई के काम से किनारा कर लिया। इससे अस्पताल में सफाई व्यवस्था को लेकर स्थिति और गंभीर हो गई।

व्हाट्सऐप पर केबीसी लॉटरी का झांसा, बैंक जानकारी मांगकर ठगी कर रहे साइबर ठग



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। साइबर ठग अब लोगों को व्हाट्सऐप पर केबीसी के नाम पर 10 लाख रुपए की लॉटरी लगने का झांसा देकर ठगी का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए ठग केवल लिखित संदेश ही नहीं, बल्कि वॉयस नोट, ऑडियो क्लिप और फोटो का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इनाम की रकम पाने की लालच में लोग ठगों के संपर्क में आ जाते हैं और इसके बाद उनसे बैंक खाते से जुड़ी जानकारी मांगी जाती है। ठगों का तरीका ऐसा होता है कि पहले लॉटरी जीतने की जानकारी देकर पीड़ित का भरोसा जीता जाता है। इसके बाद इनाम की रकम खाते में भेजने, सत्यापन या अन्य प्रक्रिया के नाम पर बैंक संबंधी जानकारी मांगी जाती है। साइबर अपराध जागरूकता सामग्री में भी लॉटरी फ्रॉड को इसी तरह का धोखाधड़ी का तरीका बताया गया है, जिसमें आकर्षक इनाम का लालच देकर निजी और वित्तीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे संदेश मिलने पर किसी भी तरह का जवाब नहीं देना चाहिए। संदेश में दिए गए लिंक पर क्लिक करने या उसमें दिए गए नंबर पर फोन करने से भी बचना चाहिए। बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी, पासवर्ड, सीवीवी, आधार और पैन जैसी निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल भी संदिग्ध व्हाट्सऐप नंबर, फोन नंबर, सोशल मीडिया लिंक और अन्य संदिग्ध पहचान की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है। साइबर ठग अब फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल भी लोगों को जाल में फंसाने के लिए कर रहे हैं। यहां क्विज, लकी ड्रॉ, लॉटरी या आकर्षक ऑफर के नाम पर लोगों से संपर्क किया जा सकता है। कई बार अनजान व्यक्ति लिंक भेजकर उसे खोलने के लिए कहता है। ऐसे लिंक पर क्लिक करने के बजाय संदेश को नजरअंदाज करना और संदिग्ध अकाउंट या नंबर की रिपोर्ट करना सुरक्षित तरीका है। ठगी का एक तरीका ऐसा भी है जिसमें ठग सीधे पैसे मांगने के बजाय खाते में राशि ट्रांसफर करने के लिए बैंकिंग जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। कई मामलों में वे दो से पांच रुपए जैसी छोटी रकम खाते में भेजकर खाताधारक का भरोसा जीतने का प्रयास करते हैं और इसके बाद आगे की जानकारी हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं।

अंजुमन स्कूल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 300 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

नागपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की जांच, ईसीजी, बीपी, शुगर सहित कई जांचें रहीं निःशुल्क



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। गोहलपुर स्थित अंजुमन स्कूल में रविवार को नोवलकेयर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर के सहयोग से विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 300 से अधिक लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में डॉ. आदित्य जाधव, एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन), डॉ. सौरभ श्रृंगुपे, ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ तथा डॉ. रोहिणी भोयर, स्त्री रोग विशेषज्ञ ने मरीजों की जांच की। इस दौरान क्रिटिकल केयर, हड्डी रोग, मस्तिष्क रोग, पेट संबंधी बीमारियों एवं महिला स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। मरीजों के लिए ईसीजी, ब्लड प्रेशर, शुगर जांच एवं सामान्य हेल्थ चेकअप की सुविधा भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। जांच के बाद जरूरत के अनुसार मरीजों को आगे के उपचार और आवश्यक चिकित्सकीय जांच के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श और जांच की सुविधा मिलने से बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों को लाभ मिला। शिविर के आयोजन में अंजुमन वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अनवर अनु, मोमिन ईदगाह के अध्यक्ष राशिद अंसारी सहित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। नोवलकेयर हॉस्पिटल की मैनेजर अंजली ने शिविर के आयोजन, समन्वय और व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग प्रदान किया। मुख्य आयोजक सनी खान ने कहा कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को अपने क्षेत्र में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह और आवश्यक स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके। सनी खान ने शिविर को सफल बनाने वाले चिकित्सकों, नोवलकेयर हॉस्पिटल की टीम, अंजुमन एवं ईदगाह से जुड़े पदाधिकारियों, सदस्यों तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

युवाओं में नशीले सीरप और सेल्यूशन पेस्ट के इस्तेमाल का बढ़ता चलन चिंता का विषय



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक नशीले सीरप और पंचर जोड़ने में इस्तेमाल होने वाले सेल्यूशन पेस्ट के दुरुपयोग को लेकर चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ युवा इन पदार्थों का इस्तेमाल नशे के लिए कर रहे हैं। खासतौर पर नाबालिगों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों में इसके इस्तेमाल की शिकायतें सामने आ रही हैं। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, गरीब बस्तियों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास ऐसे युवाओं के दिखाई देने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ नशीले सीरप दवा दुकानों से आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। आरोप है कि कई जगह बिना चिकित्सकीय पर्चे के भी खांसी की दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। दूसरी ओर कुछ ढाबों पर भी कथित तौर पर खांसी के सीरप और अवैध शराब की बिक्री किए जाने की शिकायतें हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकती है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के अनुसार कोडीन युक्त कुछ खांसी की दवाओं के दुरुपयोग को लेकर पहले भी नियामकीय स्तर पर चिंता दर्ज की गई है और संबंधित दवाओं की बिक्री पर नियम लागू हैं। नशे के लिए सीरप और सेल्यूशन के इस्तेमाल के बाद खाली बोतलें और अन्य सामग्री शहर की नालियों, कूड़ेदानों, सार्वजनिक पेशाबघरों, तालाबों और खाली मैदानों के आसपास मिलने की बात स्थानीय लोगों ने कही है। उनका कहना है कि इससे समस्या केवल नशे के सेवन तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों की स्थिति भी प्रभावित हो रही है। रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड के आसपास भी ऐसे युवाओं की गतिविधियों को लेकर लोगों ने चिंता जताई है। नशे की लत के शिकार कुछ युवाओं ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि वे सीरप का सेवन इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इसके बाद मुंह से शराब जैसी गंध नहीं आती। उनका कहना है कि परिवार के सदस्यों को कई बार नशे की जानकारी तुरंत नहीं हो पाती। कुछ युवाओं ने यह भी बताया कि सीरप अपेक्षाकृत कम कीमत में मिलने के कारण वे इसका सेवन करते हैं। हालांकि, नशीली दवाओं का इस तरह सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। परिजनों के अनुसार सीरप के नशे का असर पड़ने पर कुछ युवाओं के व्यवहार और शारीरिक स्थिति में बदलाव दिखाई देता है। एक अभिभावक ने बताया कि नशे के बाद शरीर में कंपन और असामान्य व्यवहार जैसी स्थिति दिखाई देती है। परिवारों की चिंता इसलिए भी बढ़ रही है क्योंकि कई युवा धीरे-धीरे इसकी आदत में फंसते जा रहे हैं और पढ़ाई तथा रोजमर्रा की जिम्मेदारियों की जगह नशीले पदार्थ जुटाने पर ध्यान देने लगते हैं। दूसरी ओर बड़े दवा दुकान संचालकों का कहना है कि नशीले सीरप के दुरुपयोग को देखते हुए उनकी बिक्री पर नियम लागू हैं। उनके अनुसार डॉक्टर के पर्चे के बिना ऐसी दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। ऐसे में यदि प्रतिबंधित या नियंत्रित दवाएं बिना पर्चे के कहीं उपलब्ध हो रही हैं तो इसकी जांच औषधि विभाग को करनी चाहिए। सीडीएससीओ के रिकॉर्ड में भी दवाओं की बिक्री और कुछ दवा संयोजनों पर समय-समय पर प्रतिबंध तथा नियामकीय बदलाव दर्ज हैं।

दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं वेलकम-फेयरवेल पार्टी में विद्यार्थियों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

उच्च शिक्षा में केवल डिग्री प्राप्त करना उद्देश्य नहीं होना चाहिए बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व,ज्ञान,कौशल का विकास होना चाहिए:कुलगुरु प्रो.राजेश वर्मा।





दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान में संचालित पी.जी. डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग के सत्र 2025-26 एवं 2026-27 के विद्यार्थियों द्वारा ह्वदीक्षारंभ कार्यक्रम एवं वेलकम-फेयरवेल पार्टीह्व का आयोजन विगत दिवस विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत तथा पूर्व विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह रहे। सारस्वत अतिथि प्रो. राकेश बाजपेयी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय प्रो. राजेश कुमार वर्मा, कुलगुरु, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर ने की। अपने उद्बोधन में प्रो. सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं देते हुए मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग के क्षेत्र में संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण तथा व्यावसायिक दक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।प्रो. राकेश बाजपेयी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को अनुशासन, निरंतर सीखने और अपने ज्ञान एवं कौशल का समाजहित में उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम की अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, ज्ञान, कौशल एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने विषय के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान के सीनियर फैकल्टी एवं नोडल अधिकारी डॉ. अजय मिश्रा, मनोवैज्ञानिक डॉ. मीनल दुबे तथा जीव विज्ञान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय की सीनियर फैकल्टी डॉ. रेणु पाठक की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नए सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा के साथ व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच एवं सामाजिक संवेदनशीलता को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में सुश्री जोहफिशा मनसब अंसारी, शक्ति चौधरी, गुणित वैद्य, रविता सिंह, सविता पथरिया एवं नंद यादव सहित संस्थान से जुड़े शिक्षक एवं सहयोगी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पी.जी. डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा। विद्यार्थियों ने गायन एवं वादन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में बैजू जॉन जैकब, मोनिका पटले, विक्की, परवेज, शाहनवाज, वैदेही, पूजा कौरव, संगीता एवं मीता एस. ठाकुर सहित अन्य विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत, वरिष्ठ विद्यार्थियों की विदाई और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्साह एवं आत्मीयता का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को एक-दूसरे से परिचित होने, अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा संस्थान के साथ एक सकारात्मक शैक्षणिक यात्रा की शुरूआत करने का अवसर प्रदान किया गया।

स्वच्छता अभियान में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता फोटो खिंचाकर कर दिया पूरा नगर स्वच्छ

दिखा कचरे का ढेर व बजबजाती नलियां





दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता को लेकर नगर परिषद बरगवां (अमलाई) द्वारा विशेष सफाई अभियान के नाम पर सिर्फ दिखावा साबित हुआ है। अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, नगर परिषद के पदाधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने सफाई गतिविधियों में सहभागिता करने के नाम पर सिर्फ फोटो खिंचवाए। हालांकि, अभियान के बाद नगर के कई प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर दिखाई दे रही गंदगी ने स्वच्छता व्यवस्था और अभियान की पोल खोलते नजर आ रही है, स्वच्छ भारत मिशन पर बड़ा सवाल खड़े कर दिया हैं। कई जगह सफाई करते नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता दिखाई दे रहे हैं, मगर वह केवल कुछ मिनटों के लिए फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया में फोटो डालकर महात्मा गांधी को यह बताना चाह रहे है की पूरा देश स्वच्छ हो गया। नगर परिषद बरगवां की ओर से सभी वार्डो में सफाई कराई गई और अभियान से संबंधित तस्वीरें सामने आईं। लेकिन स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में शहर को स्वच्छ बनाना हैं तो फोटो शेषन से बाहर निकलकर सही रूप से पसीना बहाकर पूरा किया जा सकता है। मगर जनप्रतिनिधियों व भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकताओं में ऐसी क्षमता दूर-दूर तक कही दिखाई नही दे रही है। सफाई अभियान केवल किसी एक स्थान या विशेष दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए। नगर के ऐसे स्थान, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है, वहां भी नियमित सफाई की जरूरत है। शहर के बस स्टैंड, बापू चौक, रेलवे स्टेशन चौराहा और दुर्गा मंदिर बाजार सहित कई प्रमुख स्थानों पर कचरा के ढ़ेर व नालियां बजबजाती सामने आ नजर आ रही है। इन इलाकों में जगह-जगह कचरे के ढेर और गंदगी की स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का सवाल है कि जब गांधी जयंती जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर विशेष सफाई अभियान चलाया के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति है, तो बाकी दिन सफाई कैसी होती होगी यह बताने की जरूरत नही है, सब कुछ साफ-साफ नजर आ रहा है। स्वच्छता अभियान का उद्देश्य केवल एक दिन सफाई कराकर उसकी तस्वीरें खिंचवाना नहीं, स्वच्छता व्यवस्था कायम नही हो सकती है। करना नगर परिषद है। नियमित कचरा उठाव, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, कचरा निस्तारण और सफाई व्यवस्था की चारों तरह नदारद दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है जनप्रतिनिधि नगर की सफाई व्यवस्था बनाने में खरे नही उतर रहे हैं।



मारपीट के बाद इलाज के दौरान हुई थी मौत, हत्या का आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। गोरेलाल पनिका निवासी बेलिया रेलवे फाटक के पास की 30 सितंबर 2026 को रात्रि लगभग 2 बजे मारपीट की गई थी, गंभीर रूप से घायल होने पर परिजनो द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2026 को जिला अस्पताल अनूपपुर मे उपचार हेतु भर्ती कराया गया था, जहाँ उपचार के दौरान गोरेलाल पनिका की रात्रि 8 बजे मृत्यु हो गई थी। सूचना पर थाना जैतहरी पुलिस द्वारा जिला अस्पताल अनूपपुर पहुचकर सूचनाकर्ता मोहनलाल पनिका पिता स्व. गोरेलाल पनिका उम्र 60 वर्ष निवासी बेलिया रेलवे फाटक के पास की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 0/2026 धारा 103(1) बीएनएस का कायम कर विवेचना मे लिया गया, मर्ग क्र 0/2026 धारा 194 बीएनएसएस का कायम कर शव का पीएम जिला अस्पताल अनूपपुर से कराया गया। विवेचना पर पाया गया कि आरोपी रवि शंकर पनिका दिनांक 30 सितंबर 2026 को जैतहरी आया था, वह शराब का अत्यधिक सेवन करने के बाद लगभग रात्रि 02 बजे घर गया और पत्नी एंव बच्चो को शराब के नशे मे मारपीट करने लगा, जिसे बीच बचाव हेतु उसके वयोवृद्ध दादा गोरेलाल पनिका पिता धौकल पनिका उम्र 85 वर्ष निवासी ग्राम बेलिया रेलवे फाटक जैतहरी बीच बचाव करने आये तो आरोपी आक्रोशित होकर उन्ही के उपर लाठी से प्रहार करने लगा, नशे की हालत मे रवि शंकर पनिका निर्दयता पूर्वक पीटता रहा और मारपीट करके भाग गया, परिजनो के द्वारा 108 एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल अनूपपुर भर्ती कराया गया जहा उनकी रात्रि 8 बजे मृत्यु हो गई। आरोपी की पता तलाश कर तत्काल गिरफ्तारी कर पुछताछ कर कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया गया है जो जिला जेल वारंट बनने पर जिला जेल दाखिल किया गया है।

तीन चोरी के मामलों पर, तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। चोरी के मामले पर सोहागपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी के तीन मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। मेडिकल कॉलेज में एसी की कॉपर पाइप काटकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने अजीत प्रजापति को गिरफ्तार किया। वहीं सोहागपुर के गढ़ी कचहरी मोहल्ला निवासी अतुल आनंद ब्रह्मचारी के घर से लैपटॉप चोरी होने की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ और लगातार प्रयास के बाद आरोपी ओम द्विवेदी को चोरी के लैपटॉप सहित गिरफ्तार किया। इसी तरह रिलायंस कंपनी के यार्ड से तार चोरी के मामले में पुलिस ने राजेंद्रग्राम, अनूपपुर निवासी सुरेंद्र चौधरी को पकड़ा। उसके कब्जे से चोरी के तार बरामद किए गए। वारदात में इस्तेमाल बोलेरो वाहन भी पुलिस ने जब्त किया है। तीनों मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जिला जेल भेज दिया गया।पुलिस का कहना है कि चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी और कार्रवाई जारी रहेगी।

8 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, 8 किलो सामग्री कराया नष्ट, जाँच के लिए भेजे 10 नमूने, 2 दुकानों को नोटिस जारी



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए।गोहपारू में नूरजहां राइस मिल के निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर खाद्य कारोबार को सुधार होने तक बंद कराया गया। वहीं अनस किराना से 8 किलोग्राम सामग्री का विनष्टीकरण कराया गया। दोनों प्रतिष्ठानों में रखरखाव संबंधी कमी पाए जाने पर सुधार के लिए नोटिस जारी किए गए।

शहडोल में जगवानी दाल मिल से गेहूं का नमूना जांच के लिए लिया गया। प्रतिष्ठान में रखरखाव संबंधी कमी पाए जाने पर नोटिस दिया गया। इसी प्रकार साक्षी ट्रेडर्स एवं शुभम ट्रेडर्स से जीरा एवं बड़ी इलायची के नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। आयुक्त खाद्य सुरक्षा के आदेश के परिपालन में आर.के. ट्रेडर्स से किश्ती तेल तथा मुबारक ट्रेडर्स से शेरा तेल के नमूने भी जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम द्वारा गौरतरा स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र के लिए तैयार किए जा रहे भोजन का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान दलिया, आटा एवं तुअर दाल के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जयसिंहनगर एवं शहडोल क्षेत्र के कुल 8 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 10 खाद्य नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। जयसिंहनगर स्थित आकांक्षा रेस्टोरेंट एवं पवनपुत्र रेस्टोरेंट के निरीक्षण के दौरान रखरखाव एवं साफ-सफाई में कमी पाए जाने पर 2 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया। प्रतिष्ठानों में उपयोग किए जा रहे तेल का नमूना भी जांच हेतु लेकर प्रयोगशाला भेजा गया है। खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विश्व के प्रथम प्रस्तार श्रीयंत्र मंदिर का निर्माण पूर्ण, होगी प्राण प्रतिष्ठा, श्रीयंत्र की अधिष्ठात्री मां त्रिपुर सुंदरी



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। हम सभी अत्यंत सौभाग्यवान हैं कि अपने जीवन मे भारतीय प्राचीन उपासना पद्धति के प्रसिद्ध तांत्रिक शक्तिपीठ श्रीयंत्र मन्दिर अमरकंटक को आकार लेता देख पाए और अब भगवती मां जगदम्बा की कृपा से इसकी प्राण प्रतिष्ठा के पुनीत महोत्सव के साक्षी बनेगें। मां नर्मदा की उद्गम नगरी अमरकंटक की पावन धरा पर विश्व प्रसिद्ध श्रीयंत्र महामेरु शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन आगामी 23 से 26 अक्टूबर 2026 को होने जा रहा है। इसकी सम्पूर्ण तैयारियां हो चुकी हैं । मन्दिर परिसर और अमरकंटक नगर की सजावट का कार्य तेजी से किया जा रहा है। श्रीयंत्र महामेरु मन्दिर , सोनमूडा रोड, अमरकंटक मे आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक ,भव्य, दिव्य महोत्सव के आयोजक हरिद्वार के विख्यात संत एवं श्रीयंत्र मन्दिर - बटे कृष्ण आश्रम अमरकंटक के प्रमुख, महंत शरद पुरी महाराज के मार्गदर्शन में एवं समस्त शिष्यगण , भक्तगण एवं नगरवासी पूरी उर्जा ,उत्साह और तन्मयता के साथ महोत्सव की तैयारी कर रहे हैं। कार्यक्रम मे शामिल होने के लिये देश - विदेश के कोने - कोने से आने वाले हजारों संतों , आचार्यो, अतिथियों, श्रद्धालुओं , शिष्यमंडल की वृहद व्यवस्था की जा रही है। ऐसा कहा जाता है कि श्रीयंत्र मन्दिर का निर्माण , मन्दिर का कार्य प्रारंभ करने वाले के जीवन मे पूरा नहीं हो पाता। श्री यंत्र मन्दिर अमरकंटक का निर्माण परमपूज्य विद्वान ब्रम्हलीन संत श्री श्री 1008 श्री अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी शुकदेवानंद महाराज के मार्गदर्शन और नेतृत्व मे लगभग तीन दशक पहले शुरू किया गया था।



बरगवां-अमलाई के विकास कार्यों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों व एल्डरमैन ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। नगर परिषद बरगवां-अमलाई क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं एवं विभिन्न विकास कार्यों की मांग को लेकर भाजपा के सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों ने नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान नगर परिषद के वरिष्ठ भाजपा नेता एल्डरमैन संदीप पुरी, परिषद के उपाध्यक्ष राज तिवारी एवं एडवोकेट अरविंद साहनी, बीजेपी बूथ अध्यक्ष वार्ड क्रमांक 7 तथा मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मांगो में अमलाई स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम और अतिरिक्त हाल के अलावा अतिरिक्त भवन के सौंदर्य करण शिव मंदिर वार्ड क्रमांक 7 में रंगमंच की मांग, नगर के विभिन्न वार्डों में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर करने, आगामी त्योहारों को देखते हुए व्यापक स्तर पर सफाई एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने की मांग की गई। साथ ही वार्ड क्रमांक-5 स्थित सिद्ध बाबा मंदिर परिसर में सौंदर्यीकरण, चौहद्दी निर्माण तथा नागरिकों के बैठने एवं घूमने के लिए पार्क विकसित किया जाए। सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट लगाई जाए आर ओ कैंप से गीता ग्राम की सीमा तक सड़क निर्माण की मांग रखी। इसके अलावा कैंप स्थित पुराने शिव मंदिर में रंगमंच बाउंड्रीवॉल, स्टेज, रंग-रोगन एवं पार्क निर्माण की आवश्यकता बताई। वार्ड क्रमांक-1 में प्रस्तावित स्टेज निर्माण में उपलब्ध पुरानी जगह का समुचित उपयोग करते हुए अपेक्षाकृत बड़ा स्टेज बनाए जाने का आग्रह किया। वहीं शांति नगर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण, सीमेंटकरण एवं चौहद्दी निर्माण की मांग भी रखी गई।

चार लोगों के हत्या के आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। ग्राम अमौदा बिजौरा टोला में चार व्यक्तियों की नृशंस जघन्य हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर हिरासत में लिया गया। चौकी सरई क्षेत्रांतर्गत ग्राम अमौदा के बिजौरा टोला में गंभीर मारपीट की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर एसपी तथा डॉक्टर ऋछ टीम ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण व अवलोकन किया। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी प्रेम सिंह पिता सुभानी सिंह, निवासी ग्राम मरदरा, थाना नौरोजाबाद द्वारा लाठी/डंडे व ईट से की गई गंभीर मारपीट से आई चोटों के कारण मृतक संपत सिंह, अनुपिया, भन्नी बाई की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा मोना पिता चैन सिंह की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज शहडोल में दर्दनाक मौत हो गई, तथा मारपीट से 04 लोग चैन सिंह पिता, कुमारी चंचल, कुमारी भारती, गंगा सिंह घायल हुए थे, जिन्हें इलाज हेतु मेडिकल कॉलेज शहडोल भिजवाया गया। पुलिस द्वारा शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया गया तथा फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपी प्रेम सिंह पिता सुभानी सिंह निवासी ग्राम मरदरा के विरुद्ध थाना करनपठार में अपराध क्रमांक 316 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम ने आरोपी प्रेम सिंह पिता सुभान सिंह को गिरफ्तार कर हिरासत में लेकर घटना में प्रयुक्त लाठी/डंडे , ईट व आरोपी द्वारा पहने हुए खून लगी शर्ट को मौके पर ही जप्त कर वीडियोग्राफी कराकर शीलबंद किया गया। आरोपी क गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।



निमार्णाधीन रिसोर्ट के स्टोर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, चोरी की सामग्री जब्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। इंद्रभान शुक्ला पिता प्रेमलाल शुक्ला, उम्र 50 वर्ष, निवासी मारूति नगर, सतना द्वारा चौकी ताला थाना मानपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 12 सितंबर 2026 को शाम को अज्ञात चोरों द्वारा उनके निमार्णाधीन रिसोर्ट के स्टोर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तथा इन्वर्टर, हैमर मशीन, गैस सिलेंडर, राशन, ग्राइंडर, मार्बल कटर चोरी कर ली गई। रिपोर्ट पर थाना मानपुर में अपराध क्रमांक 326/2026, धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा घटना के आरोपियों की पतासाजी हेतु मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई।

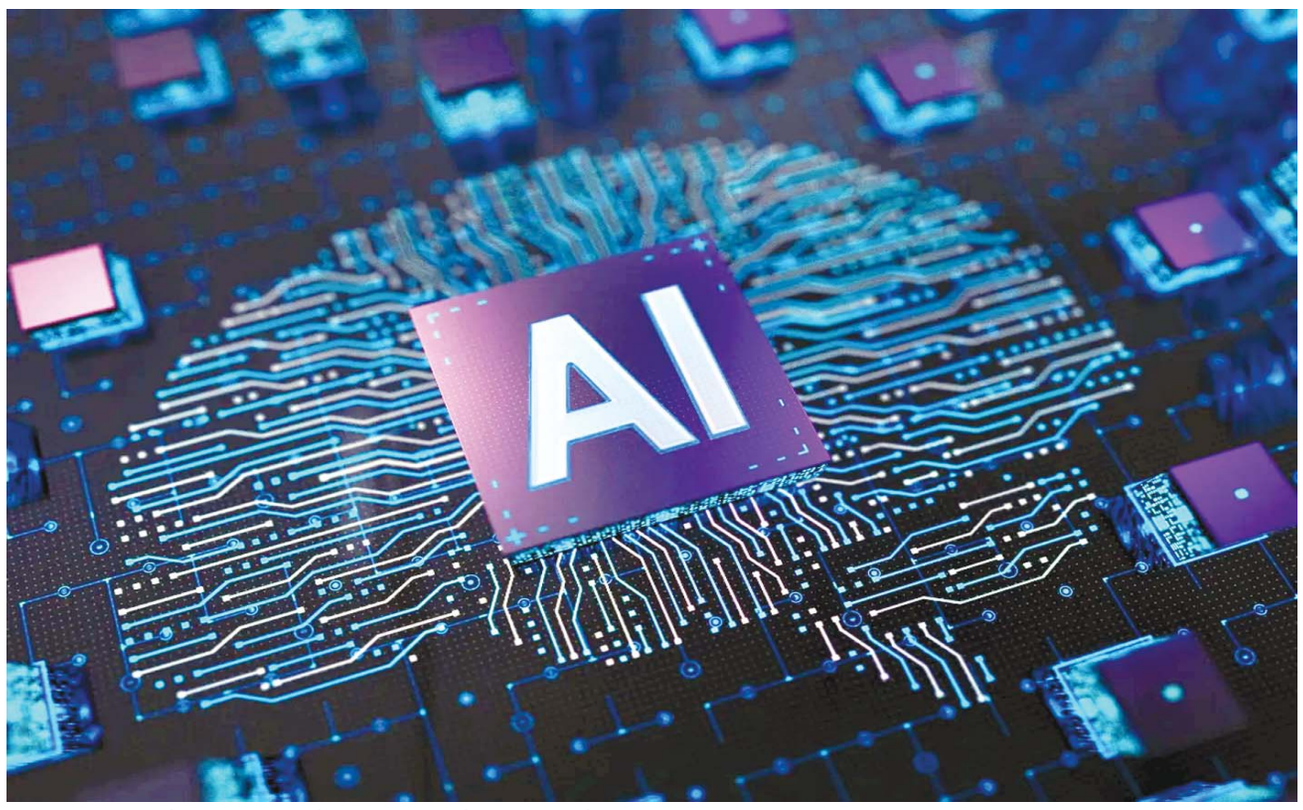
संपादकीय

घोषणा-पत्र गायब!

हमारे देश में दो सबसे प्रमुख संवैधानिक संस्थाएं हैं-सर्वोच्च अदालत और चुनाव आयोग। अक्सर शीर्ष अदालत चुनाव आयोग के फैसलों, कार्य-प्रणाली और अभियानों में हस्तक्षेप नहीं करती। दलील दी जाती रही है कि वह भी संवैधानिक संस्था है, लिहाजा संविधान की गरिमा और वैधता को समझती है। अलबत्ता सर्वोच्च अदालत आयोग के फैसलों की आधी-अधूरी समीक्षा जरूर करती रही है। सवाल है कि फॉर्म 6 के साथ जो घोषणा-पत्र नत्थी किया गया था, उसे सर्वोच्च अदालत ने अवैध करार क्यों नहीं दिया? आयोग को निर्देश क्यों नहीं दिए गए कि फॉर्म 6 में कोई भी बदलाव उसके अधिकार-क्षेत्र में नहीं है? संसद और भारत सरकार की स्वीकृति और अधिसूचना के बाद ही चुनाव आयोग कोई बदलाव कर सकता था। अब अचानक 26 सितंबर को आयोग का फैसला सामने आया कि जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हो चुका है अथवा अभी होना है, वहां फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र की अनिवार्यता नहीं है। बीती 30 सितंबर को आयोग के साफ्टवेयर तंत्र से ही फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा-पत्र गायब हो गया। कहां गया घोषणा-पत्र..? अब किसने फैसला लिया कि घोषणा-पत्र हटा दिया जाए? क्या यह मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता और दोनों चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-का साझा निर्णय है? देश को जानने का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवाल भी तार्किक लगते हैं कि फॉर्म 6 में अवैध तरीके से बदलाव किसके आदेश से किया गया? टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को आदेश किसने दिया? कंपनी में किसने मंजूरी दी? हालांकि नेता प्रतिपक्ष ने घोषणा-पत्र गायब होने का मुद्दा अभी नहीं उठाया है। घोषणा-पत्र को हटाने अथवा गायब होने का महत्व इसलिए है, क्योंकि लाखों वैध मतदाताओं को बाध्य कर घोषणा-पत्र भरवाए जा रहे थे। सॉफ्टवेयर में ऐसी व्यवस्था की गई थी कि यदि मतदाता अपने माता-पिता या दादा-दादी के मतदाता होने की पुष्टि नहीं करता अथवा वह कॉलम नहीं भरता, तो उसे भी मतदाता-सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। फॉर्म 6 के घोषणा-पत्र के जरिए मतदाताओं को झूठ बोलने को भी विवश किया जाता रहा है कि वह पहली बार मतदाता बनने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कभी भी मतदान नहीं किया। यह मामला भी शीर्ष अदालत के सामने उठना चाहिए। इंडी गठबंधन की बैठक में प्रख्यात अधिवक्ता एवं सांसद कपिल सिब्बल ने सुझाव दिया था कि आयोग में आईटी सॉफ्टवेयर सिस्टम की महानिदेशक सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करानी चाहिए, क्योंकि सीईसी ज्ञानेश को तो 2023 के कानून के मुताबिक कानूनी कवच मिला हुआ है। नतीजतन तय हुआ कि देश भर में सीमा खन्ना के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज कराई जाएंगी। यह भी विपक्ष के राजनीतिक आंदोलन का हिस्सा है। बहरहाल फॉर्म 6 के साथ घोषणा-पत्र की बाध्यताएं घोर संवैधानिक क्रूरता और अवैधता की व्यवस्था थी। यदि असहमत दोनों चुनाव आयुक्तों के जरिए इस संबंध में सवाल सार्वजनिक नहीं किए जाते, तो तय था कि फॉर्म 6 का फ्रॉड भी बेनकाब नहीं होता। बहरहाल चुनाव आयोग ने अब भी स्पष्ट नहीं किया है कि फॉर्म 6 के साथ वाला घोषणा-पत्र हटाने का निर्णय किस स्तर पर लिया गया? घोषणा-पत्र के कारण जिनका मताधिकार छीन लिया गया, क्या वह बहाल किया जाएगा? और कब तक यह संभव होगा? जुलाई और सितंबर के बीच ऐसा क्या हुआ कि घोषणा-पत्र अचानक गायब करना पड़ा? उसे हटाने की प्रशासनिक प्रक्रिया का खुलासा भी नहीं किया गया है। यदि घोषणा-पत्र गायब नहीं किया गया है, तो सॉफ्टवेयर पर दिखाई क्यों नहीं दे रहा है? चुनाव आयोग देश की जनता को न बताए, लेकिन सर्वोच्च अदालत के सामने तो सच बताना ही पड़ेगा। शीर्ष अदालत की भी अग्नि-परीक्षा होनी है, क्योंकि एसआईआर को अवैध करार देकर उसे हटाने, खत्म करने की मांग याचिका के जरिए की गई है। दिल्ली में जिन लोगों को नोटिस दिए गए हैं, उनके आधार और पारदर्शिता को चुनौती देते हुए एसआईआर के खिलाफ भी याचिकाएं शीर्ष अदालत के विचाराधीन हैं। बेशक बिहार चुनाव के दौरान शीर्ष अदालत ने एसआईआर को संवैधानिक करार दिया था, लेकिन उसके बाद 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए हैं। कुछ और आयाम भी उभर कर सामने आए हैं, लिहाजा सर्वोच्च अदालत को अब निर्णायक, संवैधानिक व्याख्या वाला फैसला सुनाना ही पड़ेगा। व्यवस्था ऐसी बने कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर काम कर सके।

सुपरइंटेलिजेंस का बढ़ते खतरे के बीच भारत के सामने बड़ी चुनौती

दो अक्टूबर को हम महात्मा गांधी की जयंती के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाते हैं। इस वर्ष यह तारीख एक परेशान करने वाली चेतावनी के साथ आई है। इस समय मानवता को इस सदी के नहीं बल्कि शायद इस दशक के अंत तक ही अस्तित्व के संकट से जूझना पड़ सकता है। खुद मानवता के खत्म होने से ज्यादा हिंसक शायद ही कोई काम हो सकता है। ओपनएआई और एंथ्रोपिक के लिए काम करने वाले जेकब कॉक्सन ने चेतावनी दी है कि ये कंपनियां तेजी से खुद को बेहतर बनाने वाली सुपरइंटेलिजेंस की ओर बढ़ रही हैं और हमारी जिंदगी को दांव पर लगा रही हैं। यह केवल बयानबाजी नहीं है। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) जल्द ही अपनी क्षमताओं में इतनी तेजी से सुधार कर सकती है कि शोधकताओं के लिए उसे समझना या नियंत्रित करना मुश्किल हो जाए। कई देशों को लगता है कि इस मामले में उनकी भूमिका बहुत सीमित है क्योंकि अत्याधुनिक एआई का विकास मुख्य रूप से अमेरिका और चीन की कुछ ही प्रयोगशालाओं में केंद्रित है। लेकिन अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की होड़ को देखते हुए एकतरफा संयम की संभावना कम है। यदि एक देश अपनी गति धीमी करता है तो दूसरा तेजी से आगे निकल सकता है। एआई के शासन और नियमन को दो जोखिमों से निपटना होगाः सुपरइंटेलिजेंस के खतरे और महज दो देशों में इसके अत्यधिक संकेंद्रण के खतरे।



अत्याधुनिक एआई को तेज-धीमा करने या उस पर अंकुश लगाने के फैसले का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। एआई की क्षमताएं भले ही कुछ देशों में केंद्रित हों लेकिन परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। अमेरिका-चीन धुरी से बाहर की पहलों में यूरोपीय संघ का एआई अधिनियम दुनिया का पहला बाध्यकारी एआई कानून है जिसने जोखिम-आधारित नियामकीय ढांचा स्थापित किया है। यह कुछ हानिकारक गतिविधियों पर रोक लगाता है, चिह्नित उच्च-जोखिम वाली प्रणालियों के लिए पारदर्शिता और जोखिम-प्रबंधन संबंधी आवश्यकताएं लागू करता है और सामान्य-उद्देश्य वाले एआई मॉडलों पर भी दायित्व तय करता है। इनमें उन मॉडलों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी शामिल हैं जो प्रणालीगत जोखिम पैदा कर सकते हैं। यूरोपीय संघ का बड़ा बाजार इन नियमों को खासा महत्त्वपूर्ण बनाता है और दुनिया भर के डेवलपर्स को इन्हें ध्यान में रखने के लिए प्रेरित करता है। तेजी से अधिक सक्षम और संभावित रूप से खुद को बेहतर बनाने वाले एआई के उभरने से अब एक नया नियामकीय सवाल सामने आने लगा है। यूरोपीय संघ का एआई अधिनियम मुख्य रूप से इस आधार पर तैयार किया गया है कि एआई प्रणाली का इस्तेमाल कैसे और कहां किया जा रहा है और उससे जुड़े जोखिम क्या हैं। भविष्य की अत्याधुनिक एआई प्रणालियों के मामले में हमें इस पर भी उतना ही विचार करना पड़ सकता है कि कोई मॉडल आगे चलकर क्या करने में सक्षम हो सकता है। जो प्रणाली आरंभ में कम जोखिम वाले किसी काम में इस्तेमाल हो रही हो वह क्षमताओं के विस्तार के साथ ऐसे कार्य करने में सक्षम हो सकती है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक महत्त्वपूर्ण हो। उदाहरण के लिए ग्राहक सेवा के लिए इस्तेमाल होने वाला एआई गलतियों की पहचान करने और अपने स्तर पर उन्हें सुधारने की क्षमता हासिल कर सकता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होगा कि यदि इन क्षमताओं में कोई महत्त्वपूर्ण बदलाव आता है और उसके संभावित रूप से खतरनाक परिणाम हो सकते हैं तो नियमन और शासन-व्यवस्था उसके अनुरूप प्रतिक्रिया दे सके। भारत के पास अभी अत्याधुनिक या सुपरइंटेलिजेंस स्तर की एआई क्षमता नहीं है और एआई को लेकर उसकी रणनीति तत्काल जरूरतों यानी विकास के लक्ष्यों और उत्पादकता में सुधार से निर्धारित होती है। अब तक भारत ने एआई के नियमन के प्रति एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया है। एआई के उपयोगकर्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि इसके वैश्विक भविष्य में एक हितधारक के रूप में भी भारत के सामने एक रणनीतिक अवसर और जिम्मेदारी है। अभूतपूर्व स्तर पर डिजिटल बुनियादी ढांचा तैयार करने में सफलता सुपरइंटेलिजेंस पर वैश्विक बहस को प्रभावित करने की भारत की क्षमता को और मजबूत करती है। भारत एआई के लिए ऐसे नियमन विकसित करने पर विचार कर सकता है जिसमें अलग-अलग क्षमता-सीमाएं तय की जाएं। इन सीमाओं को पार करने पर परीक्षण, निगरानी और एआई की तैनाती से जुड़ी आवश्यकताएं क्रमशः अधिक कड़ी होती जाएं। ऐसा ढांचा परमाणु सामग्री की सुरक्षा जरूरतों या रोगजनकों के लिए निर्धारित जैव-सुरक्षा स्तरों जैसा हो सकता है। जैसे-जैसे एआई प्रणालियां स्वायत्त होती जाएं, उनकी तैनाती से पहले आवश्यक प्रमाण और परीक्षण का स्तर भी बढ़ना चाहिए। इसके लिए इंडिया एआई मिशन को मॉडल मूल्यांकन, इंटरप्रेटेबिलिटी, एआई सुरक्षा और स्वायत्त प्रणालियों के आकलन में निवेश करना होगा, ताकि इस ढांचे को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। भारत के जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम को विश्वस्तरीय समाधान विकसित करने के लिए इस दिशा में सक्रिय किया जा सकता है। वास्तविक समय में नीति-निर्माण की चुनौती से भी निपटना होगा। नियमन को अनुकूलनशील होना चाहिए, उसमें लगातार निगरानी का प्रावधान होना चाहिए और नई तरह के जोखिम सामने आने पर कार्रवाई करने के लिए संबंधित प्राधिकरणों को आवश्यक अधिकार दिए जाने चाहिए। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के दौरान दवाओं के आपातकालीन उपयोग की अनुमति और विमानन क्षेत्र में लागू प्रक्रियाएं जो नए सुरक्षा जोखिमों की पहचान होने पर कार्रवाई की अनुमति देती हैं, इसके लिए उपयोगी मॉडल हो सकती हैं। अमेरिका-चीन धुरी से बाहर के देशों के बीच विशेष रूप से अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। विकासशील देशों में अपने प्रभाव के कारण भारत सूचना साझा करने, तकनीकी सत्यापन, जिम्मेदार विकास और साझा सुरक्षा उपायों के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में मदद कर सकता है। साथ ही वह अमेरिका और चीन को रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से तय होने वाले नियमों के बजाय ऐसे वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य सिद्धांतों की दिशा में बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। इस वर्ष की शुरूआत में सफलतापूर्वक इंडिया एआई समिट की मेजबानी करने के बाद भारत इस प्रयास का नेतृत्व करने की बेहतर स्थिति में है। एआई की प्रगति रुक नहीं सकती। अमेरिका और चीन केंद्रीय भूमिका में बने रहेंगे लेकिन वे पूरी दुनिया के लिए नियम तय नहीं कर सकते। जो देश अत्याधुनिक एआई पर नियंत्रण रखते हैं, वे उसकी दिशा तय करेंगे लेकिन उसके परिणामों का सामना करने वाले देशों की भी इस प्रक्रिया में आवाज होनी चाहिए। भारत को इस आवाज को मजबूत करने और एआई के लिए वैश्विक अहिंसा रणनीति तैयार करने में मदद करनी चाहिए। महात्मा गांधी को इससे उपयुक्त श्रद्धांजलि शायद ही कोई हो सकती है।

राशिफल

मेष राशि :- उन्नति सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रयास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।

वृष राशि :- खर्च, सिद्धी, शुभ कार्य, कष्ट, मानसिक कार्य एवं सफलता के योग, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- राज से हानि, विरोध, अपव्यय, लेखन कार्य में रुकावट अवश्य होगी।

कर्क राशि :- संतान कष्ट, आर्थिक कष्ट, खर्च, शुभ व्यय, धार्मिक एवं शुभ कार्यों के योग हैं।

सिंह राशि :- सफलता, हर्ष, भय, विवाद, कुछ प्रसन्नता के योग, पारिवारिक सुख होगा।

कन्या राशि :- हानि, अपव्यय का योग, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत में संतोष रहेगा।

तुला राशि :- लाभ, संतान सुख, रोगभय, झुंझलाहट, लेखन कार्य सामान्य प्रगतिकारक होगा।

वृश्चिक राशि :- अभीष्ट सिद्धी, स्वजन कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य व्यावधान के साथ सफल होगा।

धनु राशि :- राजभय, स्त्री कष्ट, कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान एवं सफलता।

मकर राशि :- विवाद, कष्ट, बाधा, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य अवश्य ही रहेगी।

कुंभ राशि :- यश, शुभ कार्य, मुकदमे से लाभ, धार्मिक तथा कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।

मीन राशि :- रोगभय, अभीष्ट सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन बन सकती है, ध्यान दें।

स्मोकिंग, शुगर और हाई बीपी से दूरी... और बुढ़ापे में मिलेगी 13 साल ज्यादा डिमेंशिया-फ्री जिंदगी

भारत में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों यानी नॉन कम्युनिकेबल डिजीज का आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। यह लोगों को अपनी खराब आदतों और रहन-सहन को गौर कर उनमें सुधार करने के लिए मजबूर कर रहा है।



इनमें भी हाई बीपी और डायबिटीज के मामले इतने बढ़ गए हैं कि अब तो दुनिया में भारत को डायबिटीज कैपिटल तक कहा जाने लगा है। इससे जुड़ी हाल ही में एक स्टडी सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि हाई बीपी और डायबिटीज के साथ डिमेंशिया का खास कनेक्शन है। दरअसल, यह रिपोर्ट कहती है कि अगर व्यक्ति इस तरह की बीमारियों से पीड़ित न हो तो उनमें आगे चलकर उम्र बढ़ने के साथ डिमेंशिया का जोखिम बहुत हद तक कम हो जाता है।

13 साल ज्यादा डिमेंशिया फ्री जिंदगी

न्यूरोलाजी जर्नल में छपे इस शोध से पता चला है कि बढ़ती उम्र के दौरान सामान्य ब्लड प्रेशर, डायबिटीज न होना और स्मोकिंग जैसी लत न होने से डिमेंशिया का खतरा बेहद कम हो जाता है। इस शोध के मुताबिक, औसतन 13 साल ज्यादा डिमेंशिया से फ्री जिंदगी मिल सकती है। इस बारे में न्यूयार्क विश्वविद्यालय के आप्टिमल एजिंग इंस्टीट्यूट के फाउंडिंग डायरेक्टर और वरिष्ठ शोधकर्ता जोसेफ कोरेश ने कहा, "अध्ययन बताता है कि एक दशक से अधिक समय तक दिमाग की सेहत बनाए रखने की रणनीति के तौर पर लोगों को 50 से 60 साल की उम्र में इन खतरों से सक्रिय रूप से बचना चाहिए।"

सेहत के लिए आपकी कुंडली क्या कहती है – जानें बिल्कुल मुफ्त

मिडलाइफ में स्वस्थ आदतों से बढ़ती उम्र में फायदा

शोधकताओं ने 1986 में शुरू हुई कम्युनिटी-बेस्ड एथेरोस्क्लेरोसिस रिस्क इन कम्युनिटीज अध्ययन के 12,409 लोगों के डाटा का विश्लेषण किया। इन आंकड़ों पर औसतन 56 साल की उम्र वाले इन लोगों को 26 साल तक ट्रैक किया गया। इस दौरान 3,008 लोगों को डिमेंशिया हुआ, जिनमें से करीब 5,238 लोगों की मौत डिमेंशिया हुए बिना हो गई। इस दौरान यह भी देखा गया कि जिन लोगों में कोई रिस्क फैक्टर नहीं था, वे तीनों रिस्क फैक्टर वाले लोगों की तुलना में लगभग 13 साल ज्यादा समय तक डिमेंशिया से बचे रहे। वहीं, जिन लोगों में मिडलाइफ में कोई भी वैस्कुलर रिस्क फैक्टर यानी हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, स्मोकिंग नहीं था, उन्होंने इन खतरों वाले लोगों की तुलना में लगभग 13 साल ज्यादा डिमेंशिया मुक्त जीवन बिताया।

महंगे सीरम भी फेल हैं चावल के मांड के आगे



हम अक्सर चावल के पानी को बेकार समझकर फेंक देते हैं, जबकि यही पानी त्वचा पर किसी जादू जैसा काम कर सकता है। वहीं, आज जिस कोरियन या जापानी ब्यूटी सीक्रेट्स के पीछे लोग भाग रहे हैं, उसका राज भी इसी चावल के मांड में छिपा हुआ है। फिर क्यों न इसे अपने स्किनकेयर का हिस्सा बनाया जाए, आइए जानते हैं इसे रूटीन में शामिल करने के तरीके।

चावल के मांड से बनी क्रीम : चावल के मांड से नेचुरल क्रीम घर पर तैयार की जा सकती है, जिसके लिए घर में मौजूद कुछ चीजों की जरूरत है। इस क्रीम से चेहरे पर निखार आने के साथ चमक भी बरकरार रहती है।

सामग्री

3-4 चम्मच गाढ़ा चावल का मांड
2 चम्मच एलोवेरा जेल
1 विटामिन ई कैप्सूल
1/2 चम्मच नारियल तेल

कैसे बनाएं?

चावल के मांड को सबसे पहले ठंडा होने के लिए रख दें और उसके बाद मांड में एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें विटामिन ई कैप्सूल अच्छे से मिला लें। सबसे आखिर में नारियल तेल मिलाकर फेंट लें। क्रीम का टेक्स्चर स्मूद दिखने लगे तो समझें क्रीम तैयार है। इसे सुबह-शाम के स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें।

सेल्युलाइट कम करने से पहले जान लीजिए ये 5 मिथ, तभी दिखेगा असली रिजल्ट

सेल्युलाइट को दूर करने के लिए सबसे पहले जरूरी है जानना है कि यह आपकी स्किन पर उभर क्यों रहा है और इसके लिए किस तरह के साइंटिफिक उपाय किए जा सकते हैं। इसके लिए सेल्युलाइट से जुड़े ऐसे ही कुछ मिथकों को जानना और उन्हें दूर कर सही तरीके से इसे हटाने का प्रयास करना भी जरूरी है।

यह क्यों होता है : सेल्युलाइट उस स्थिति में होता है जब स्किन के अंदर कनेक्टिव टिशूज के फाइब्र्स से फैट बाहर की तरफ निकलने लगे। असामान्य रूप से फैट का फैलाव होने से स्किन गड्ढेदार या थुलथुली नजर आती है। यह आमतौर पर जांघों, हिप्स या पेट के आस-पास दिखती है।

टीनएजर्स में भी आम है : प्यूबर्टी की वजह से



होने वाले हॉर्मोनल बदलाव टीनएजर्स में सेल्युलाइट होने का सबसे बड़ा कारण है। इसके साथ ही डाइट में पोषण की कमी, फिजिकल एक्टिविटी कम होना और स्ट्रेस का ज्यादा स्तर उनमें सेल्युलाइट का कारण बनता है।

सिर्फ एक्सरसाइज ना करने वालों को ही होता है : हर बॉडी टाइप की महिलाओं को प्रभावित कर सकता है, रेगुलर एक्सरसाइज करने वालों को भी। हालांकि, ज्यादा फैट की वजह से गड्ढे ज्यादा स्पष्ट नजर आते हैं।

क्रीम लगाकर इसे रातोंरात खत्म किया जा सकता है : भले ही सेल्युलाइट को कम करने वाली तमाम क्रीम्स ऐसा दावा करती हों लेकिन आप चुटकियों में इसे खत्म नहीं कर सकते। हालांकि, इस तरह की क्रीम लगातार अप्लाई करने से इसे कम करने में मदद मिल सकती है।

इसके होने का मतलब है आप अनहेल्दी हैं : इसका खराब सेहत से कोई लेना-देना नहीं है। यह एक कॉस्मैटिक समस्या है जोकि फैट की बनावट, कनेक्टिव टिशूज, हॉर्मोन्स, जेनेटिक्स पर निर्भर करती है।

ये तरीके सेल्युलाइट को कम करने में काम नहीं आते : यह एक मिथ है कि ड्राई ब्रशिंग, सिलिकॉन कप और सेल्युलाइट टूल्स बेअसर होते हैं। जबकि ये तरीके खून का फ्लो बढ़ाकर स्किन को स्मूद बनाने का काम करते हैं।

हाइड्रेशन और एक्सरसाइज करने से कोई फर्क नहीं पड़ता : अगर आप दिनभर में पर्याप्त पानी पीते हैं आपके स्किन का लचीलापन बढ़ता है और टॉक्सिन्स भी बाहर आते हैं। वहीं, ग्लूट्स, थाई और हैमस्ट्रिंग की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से मसल्स टोन होती है और ब्लड सकुर्लेशन भी बेहतर होता है।

इस तरह दूर कर सकते हैं सेल्युलाइट : सकुर्लेशन बढ़ाने वाले मसाज टूल्स की मदद लें

स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए नैचुरल मसाज ऑयल इस्तेमाल करें



शिकायतकर्ता आकाश नामदेव अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर...

अपराध सिद्ध होने के बावजूद जिम्मेदार नहीं कर पाए कार्यवाही....



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – केवलारी जनपद की ठुटेरा पंचायत का मामला शासकीय तालाब में लाखों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितता को लेकर शिकायत, जांच में अपराध सिद्ध होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप; अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल केवलारी जनपद पंचायत केवलारी के अंतर्गत आने वाली ठुटेरा पंचायत एक बार फिर गंभीर आरोपों को लेकर सुर्खियों में है। पंचायत में शासकीय तालाब से जुड़े कार्य में 5 लाख 93 हजार रुपये की वित्तीय अनियमितता के मामले में शिकायत और जांच के बाद भी अब तक ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ता आकाश नामदेव ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

कार्रवाई के इंतजार में शिकायतकर्ता अब अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। उनका आरोप है कि मामले में अनियमितताओं की पुष्टि होने और अपराध सिद्ध होने के बावजूद संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने में प्रशासन आखिर क्यों पीछे हट रहा है? जांच के बाद भी कार्रवाई नहीं, तो फिर किसका इंतजार?सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि जांच में वित्तीय अनियमितता और जिम्मेदारी तय हो चुकी है, तो फिर संबंधित अधिकारियों द्वारा अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई? लाखों रुपये के शासकीय धन से जुड़े मामले में जिम्मेदारों की कथित चुप्पी ने पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्होंने लगातार संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत रखी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन ही मिलते रहे। आखिरकार उन्होंने भूख हड़ताल जैसा सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया।

सरकारी धन का मामला, फिर भी जिम्मेदार मौन!....

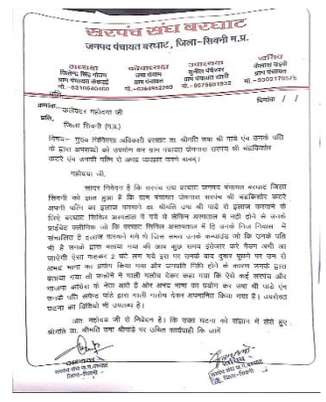
मामला महज किसी सामान्य विवाद का नहीं, बल्कि शासकीय राशि के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितता से जुड़ा बताया जा रहा है। ऐसे में सवाल यह भी है कि यदि सरकारी धन के उपयोग में गड़बड़ी सामने आती है और उसके बाद भी जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं होती, तो आम जनता प्रशासन से जवाब किससे मांगे?अब शिकायतकर्ता की भूख हड़ताल के बाद प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह इस मामले में स्पष्ट और पारदर्शी कार्रवाई करे या फिर अपनी चुप्पी से उठ रहे सवालों को और गंभीर होने दे।

आंदोलन ने बढ़ाई प्रशासन की मुश्किल....

आकाश नामदेव के अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठने से ठुटेरा पंचायत से जुड़ा यह मामला अब प्रशासन के लिए भी गंभीर चुनौती बन गया है। शिकायतकर्ता की मांग है कि पूरे मामले में जिम्मेदारी तय कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और शासकीय धन की अनियमितता के संबंध में स्पष्ट स्थिति सार्वजनिक की जाए।अब देखना यह है कि 5 लाख 93 हजार रुपये के इस मामले में प्रशासन कार्रवाई करता है या फिर एक शिकायतकर्ता को अपने अधिकार और न्याय की मांग के लिए भूख हड़ताल पर ही बैठे रहना पड़ेगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उनके पति पर गंभीर आरोप, सरपंच संघ ने कलेक्टर से मांगी कार्रवाई

इलाज कराने पहुंचे सरपंच को दो घंटे इंतजार, फिर कथित गाली-गलौज!



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – सरकारी अस्पताल में इलाज और सम्मान दोनों की उम्मीद लेकर पहुंचे ग्राम पंचायत जेवनारा के सरपंच चंद्रकिशोर कटरे के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। बरघाट सरपंच संघ ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती उषा श्री पांडे एवं उनके पति रूपेंद्र पांडे पर सरपंच और उनकी पत्नी के साथ गाली-गलौज एवं अपमानजनक व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले को लेकर सरपंच संघ ने कलेक्टर सिवनी के नाम लिखित शिकायत सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

सरकारी अस्पताल में इलाज नहीं मिला, निजी क्लीनिक तक पहुंचना पड़ा!– सरपंच संघ की शिकायत के अनुसार, जेवनारा सरपंच चंद्रकिशोर कटरे अपनी पत्नी का इलाज कराने बरघाट सिविल अस्पताल पहुंचे थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में संबंधित चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें चिकित्सक के निजी क्लीनिक में इलाज कराने जाना पड़ा। यहां कथित तौर पर कंपाउंडर ने सरपंच से कुछ समय इंतजार करने को कहा। शिकायत के मुताबिक, इंतजार करते-करते करीब दो घंटे गुजर गए, लेकिन इलाज की बारी नहीं आई। जब सरपंच ने दोबारा जानकारी लेने का प्रयास किया तो मामला कथित रूप से विवाद में बदल गया।

'जनप्रतिनिधि हैं तो क्या हुआ?'—कथित गाली-गलौज से भड़का मामला

सरपंच संघ का आरोप है कि इसके बाद डॉ. उषा श्री पांडे एवं उनके पति रूपेंद्र पांडे द्वारा सरपंच और उनकी पत्नी के साथ अभद्र भाषा एवं गाली-गलौज की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि जनप्रतिनिधि होने का हवाला दिए जाने के बावजूद कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। सबसे गंभीर बात यह है कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस दौरान यह भी कहा गया कि कई सरपंच और भाजपा-कांग्रेस के नेता यहां आते हैं और उनके साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है। अगर शिकायत में लगाए गए ये आरोप सही पाए जाते हैं तो सवाल सिर्फ एक सरपंच के अपमान का नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों और आम मरीजों के साथ सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यवहार और जवाबदेही का भी है। **वीडियो होने का दावा, फिर जांच से क्यों बचना?**– सरपंच संघ ने कलेक्टर को दिए आवेदन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि पूरी घटना का वीडियो उपलब्ध है। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब कथित घटना के वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं तो जिला प्रशासन इसकी निष्पक्ष जांच कब कराएगा? क्या वीडियो की जांच कर यह तय किया जाएगा कि वास्तव में किसने किसके साथ अभद्रता की? क्या सरकारी पद पर रहते हुए निजी क्लीनिक संचालन और वहां जनप्रतिनिधि के साथ कथित व्यवहार की भी जांच होगी?

सरपंच संघ ने कलेक्टर से मांगा जवाब

सरपंच संघ अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह गौतम, कोषाध्यक्ष उमेश सरेआम एवं उपाध्यक्ष सुनील पंचेश्वर सहित पदाधिकारियों ने कलेक्टर से मामले को गंभीरता से लेते हुए डॉ. उषा श्री पांडे के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है। अब निगाहें जिला प्रशासन पर हैं। शिकायत पत्र में आरोप गंभीर हैं, वीडियो होने का दावा किया गया है और मामला सीधे एक जनप्रतिनिधि के सम्मान से जुड़ा है। ऐसे में यदि प्रशासन केवल शिकायत को फाइल में दबाकर बैठ गया तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर जनप्रतिनिधि जाएं तो जाएं कहां? हालांकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। संबंधित चिकित्सक/पक्ष का बयान सामने आने तथा प्रशासनिक जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

सहज संतोष आश्रम में होगा दो दिवसीय प्रवास, दर्शन-आशीर्वाद के लिए उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

सिवनी में पहली बार पधारेंगे जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी महाराज



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी– धर्म और आध्यात्म की नगरी सिवनी के लिए आगामी 5 अक्टूबर का दिन विशेष और ऐतिहासिक होने जा रहा है। द्वारका शारदा पीठ के पूज्यपाद जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का चातुर्मास के उपरांत सिवनी नगर में प्रथम आगमन होने जा रहा है। जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज का दो दिवसीय प्रवास 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2026 तक सिवनी स्थित सहज संतोष आश्रम, राधा-कृष्ण मंदिर में रहेगा। जगद्गुरु शंकराचार्य जी के सिवनी आगमन को लेकर धर्मप्रेमी नागरिकों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। उनके स्वागत एवं प्रवास को लेकर सहज संतोष आश्रम में व्यापक तैयारियां की गई हैं। आश्रम परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

5 अक्टूबर को होगा भव्य स्वागत

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज का 5 अक्टूबर सोमवार को शाम 6 बजे सहज संतोष आश्रम में भव्य स्वागत किया जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संत समाज, धर्मप्रेमी नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहकर जगद्गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

दो दिनों तक श्रद्धालुओं को मिलेंगे दर्शन

महाराज श्री के सिवनी प्रवास के दौरान श्रद्धालुओं के लिए दर्शन का विशेष समय निर्धारित किया गया है। श्रद्धालु प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक सहज संतोष आश्रम पहुंचकर जगद्गुरु शंकराचार्य जी के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे।

सिवनी के लिए आध्यात्मिक गौरव का अवसर

जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज का सिवनी में प्रथम आगमन धर्मप्रेमी समाज के लिए विशेष आध्यात्मिक अवसर माना जा रहा है। उनके दर्शन और सानिध्य का लाभ लेने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सहज संतोष आश्रम समिति एवं समस्त धर्मप्रेमी जनता ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर अधिक से अधिक संख्या में आश्रम पहुंचें और पूज्य गुरुदेव के दर्शन, आशीर्वचन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर इस आध्यात्मिक अवसर के सहभागी बनें।

मरीज को नागपुर ले जा रही एंबुलेंस कंटेनर में घुसी, एक की मौत, चार घायल

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। कुरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ठल-44 नागपुर रोड पर मेटेवानी चेक पोस्ट से करीब 200 मीटर पहले सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात लगभग 3 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मरीज को उपचार के लिए नागपुर ले जा रही एंबुलेंस आगे चल रहे कंटेनर से पीछे से जा टकराई। हादसे में एंबुलेंस में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। कुरई थाना प्रभारी कृपाल सिंह टेकाम के अनुसार, दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए कुरई अस्पताल पहुंचाया गया। जांच के दौरान अभिषेक बघेल पिता हरिराम बघेल, उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी कोतवाली क्षेत्र को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

नागपुर इलाज के लिए जा रहा था परिवार

प्राप्त जानकारी के अनुसार एंबुलेंस क्रमांक टढ 09 अऊ0984 में सवार लोग मरीज को उपचार के लिए नागपुर ले जा रहे थे। इसी दौरान मेटेवानी के पास एंबुलेंस आगे चल रहे कंटेनर क्रमांक ल्फ55 अल्ल 4186 से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एंबुलेंस में सवार यात्रियों एवं चालक को चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

एक गंभीर घायल नागपुर रेफर– हादसे में घायल सतुपाल बघेल पिता मंगलप्रसाद बघेल, उम्र करीब 32 वर्ष, निवासी कुदवारी, थाना बंडोल को गंभीर चोटें आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद नागपुर रेफर किया गया है। वहीं राजा बघेल पिता द्वारका प्रसाद बघेल, उम्र करीब 34 वर्ष, निवासी मानेगांव का सिवनी में उपचार जारी है। एक अन्य घायल की पहचान तत्काल नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल और मृतक एक ही परिवार के सदस्य हैं।

कुरई पुलिस ने शुरू की जांच

दुर्घटना की सूचना के बाद कुरई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई और दोनों वाहनों को लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसा किस वजह से हुआ, एंबुलेंस की गति कितनी थी और कंटेनर चालक की भूमिका क्या रही, इन सभी बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

दूसरे दिन खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, बालक-बालिका वर्ग में कड़े मुकाबले

राज्य स्तरीय शालेय हॉकी में सिवनी के मैदान पर रोमांचक मुकाबले



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में सिवनी के गौरवशाली एस्टोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता के दूसरे दिन मैदान पर खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। 17 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग की प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। प्रतियोगिता में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, रीवा, नर्मदापुरम, सागर, शहडोल सहित जनजातीय कार्य विभाग की टीमों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

बालिका वर्ग में उज्जैन और भोपाल का दबदबा

दूसरे दिन हुए मुकाबलों में बालिका वर्ग में उज्जैन ने सागर को 1-0, भोपाल ने जबलपुर को 2-0 तथा ग्वालियर ने नर्मदापुरम को 9-0 से शिकस्त दी। वहीं भोपाल और इंदौर के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। नर्मदापुरम ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 2-0 से पराजित किया।

बालक वर्ग में बड़े अंतर से दर्ज हुई जीत

बालक वर्ग में जनजातीय कार्य विभाग ने रीवा को 10-0, उज्जैन ने भोपाल को 3-0 और इंदौर ने शहडोल को 4-0 से हराया। सागर और ग्वालियर के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा, जबकि उज्जैन ने रीवा को 8-0 से पराजित किया। सागर और जबलपुर के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर छूटा।

SGFI के लिए होगा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन– इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान खिलाड़ियों में से आगामी शालेय राष्ट्रीय प्रतियोगिता (SGFI) के लिए मध्यप्रदेश की टीम का चयन किया जाएगा। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर चयनकताओं की नजर बनी हुई है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में असद खान, निलेशचौरे, सादाब खान, कृतिका चंद्रा, रविश कुरैशी, फैजल खान, साकिर हुसैन, इमरान यूसुफ, प्रियांका ठाकुर, आरती विश्वकर्मा, साबाज खान एवं देवेंद्र ठाकुर शामिल हैं। जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रेमियों और आम नागरिकों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए एस्टोटर्फ हॉकी स्टेडियम पहुंचकर मुकाबले देखने की अपील की गई है।

जिला अस्पताल से लैपटॉप चोरी करने वाले 02 आरोपी कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी – पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी (भा.पु.से.) द्वारा जिले में चोरी एवं नकबजनी के अपराधों की रोकथाम तथा आरोपियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा जिला अस्पताल से लैपटॉप चोरी करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया लैपटॉप बरामद करने में सफलता प्राप्त की गई। कार्यवाही का विवरण दिनांक 02/10/2026 को प्रार्थी दयाराम ब्रम्हने, 108 एम्बुलेंस जिला प्रबंधक द्वारा थाना कोतवाली उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 01/10/2026 को दोपहर करीब 03:00 बजे जिला अस्पताल सिवनी स्थित 108 एम्बुलेंस कार्यालय के कमरे का दरवाजा खोलकर अज्ञात व्यक्ति अंदर प्रवेश कर बैग में रखा ल्ढ कंपनी का लैपटॉप, कीमत करीब 30,000/- रुपये चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली सिवनी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल संदिग्ध आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर तलाश एवं पतासाजी करते हुए दिनांक 02/10/2026 को दोनों संदेहियों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम निखिल यादव एवं नवील खान, दोनों निवासी सूफीनगर गांधी वार्ड, सिवनी बताया। पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा 108 एम्बुलेंस कार्यालय से ल्ढ कंपनी का लैपटॉप चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया लैपटॉप दीवान महल की बाउंड्री के किनारे घास एवं पौधों में छिपाकर रखा हुआ बरामद किया गया, जिसे विधिवत जप्त किया गया। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल किया गया है।

कुरई पुलिस ने अंधी हत्या का किया खुलासा, तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों से दोनों आरोपी गिरफ्तार

मां और मामा ही निकले युवती के हत्यारे करेंट लगाकर शव को खेत में फेंका



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम सतोसा में मक्के के खेत से मिले 22 वर्षीय युवती के शव की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसकी सगी मां और मामा ने मिलकर की थी। हत्या के बाद शव पर लोहे की रॉड और तार के माध्यम से विद्युत करंट लगाकर घटना को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया और शव को मक्के के खेत में फेंक दिया गया। पुलिस के अनुसार 30 सितंबर की सुबह ग्राम सतोसा स्थित मक्के के खेत में एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। मृतिका के शरीर पर चोटों के निशान के साथ विद्युत करंट से झुलसने के निशान भी पाए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन में टीम गठित कर जांच शुरू की गई।

रिसॉर्ट से मिला मृतिका का सुराग

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के गांवों और रिसॉर्ट में पूछताछ की तथा कर्मचारियों की सूची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसी दौरान सूचना मिली कि ग्राम सतोसा निवासी मुस्कान उईके, ग्राम आवरघनी स्थित रामधाम रिसॉर्ट (आलिव रिसॉर्ट) में काम करती थी और 28 सितंबर की शाम काम पर जाने के बाद वापस नहीं लौटी थी। पुलिस ने परिजनों से संपर्क किया। मृतिका की मां सुनीता उईके ने फोटो, कपड़े एवं हुलिया के आधार पर शव की पहचान अपनी 22 वर्षीय बेटी मुस्कान उईके के रूप में की।

मोबाइल पर बात करने को लेकर हुआ था विवाद– पुलिस जांच के दौरान मृतिका की मां सुनीता उईके और उसके मामा अनिल धुर्वे पर संदेह हुआ। दोनों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस के अनुसार 28 सितंबर की रात मुस्कान मोबाइल पर किसी व्यक्ति से काफी देर तक बात कर रही थी। मोबाइल पर बात करने से मना करने को लेकर घर में विवाद हुआ। इसी दौरान आरोपियों ने कथित रूप से मुस्कान का गला दबाया और जमीन पर पटककर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को लोहे की रॉड एवं तार से विद्युत करंट लगाया गया और शव को उठाकर मक्के के खेत में फेंक दिया गया।

बीएनएस की धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने विवेचना और साक्ष्य संकलन के बाद थाना कुरई में अपराध क्रमांक 442/2026 के तहत धारा 103(1), 238(), 3(5) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार आरोपी:

1. सुनीता उईके – मृतिका की मां 2. अनिल धुर्वे – मृतिका का मामा पुलिस के अनुसार अंधी हत्या के इस मामले के खुलासे में थाना प्रभारी कुरई निरीक्षक कृपाल शाह टेकाम सहित बरघाट थाना पुलिस, विवेचना टीम, मेडिकल कॉलेज सिवनी के चिकित्सक तथा साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नागरिकों की सुविधा और द्रुत गति से नवीन जिलों का विकास शासन की प्राथमिकता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव





मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पांढुर्णा सहित प्रदेश के नवीन जिलों के विकास, नागरिक सुविधाओं और जिलों का द्रुत गति से विकास शासन की प्राथमिकता है। यहां के युवाओं को उद्योगों और रोजगार से जोड़ने के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि और स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम बनाये जायेंगे। यहां पशुपालन और दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं को और बढ़ाएंगे। पांढुर्णा जिले के विकास में कोई भी बाधा नहीं आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को पांढुर्णा जिले में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अध्यक्षता करते हुए समिति के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि पांढुर्णा जिले के नवीन निर्माण कार्यों की स्वीकृतियां लगातार जारी की जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हनुमान लोक के अगले चरण के निर्माण कार्यों में प्रगति की जानकारी प्राप्त की और तीव्र गति से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बैठक में पांढुर्णा जिले के विकास और उपलब्धियों के बारे में बताया गया कि जिले में अभी तक 112 करोड़ रुपए के विकास कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जिनमें मुख्य रूप से सांदीपनि विद्यालय पांढुर्णा, सांदीपनि विद्यालय सौंसर, पुलिस कंट्रोल रूम पांढुर्णा और चमत्कारिक श्री हनुमान मंदिर जामसांवली हनुमान लोक के प्रथम चरण का निर्माण कार्य शामिल है। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा सांदीपनी प्राथमिक शाला पांढुर्णा को स्कूल सर्टिफिकेशन योजना के अंतर्गत गोल्ड अवॉर्ड प्रदान किया गया है। सांदीपनि विद्यालय सौंसर में 1654 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। जिले में कुल 248 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्य निमार्णाधीन हैं, जिनमें विभिन्न शासकीय कार्यालयों, सड़क, पुल, नलजल योजनाओं के कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने लोकहित परिसर नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन पांढुर्णा के प्रस्तावित योजना का अवलोकन किया। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा हनुमान लोक के लोकार्पण के बाद से यहां की औसत मासिक आय 25 लाख रुपए से बढ़कर 60 लाख रुपए हो गई है। प्रथम चरण में हनुमान लोक की 57 दुकानों की नीलामी से लगभग 11 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई है, प्राप्त आय का उपयोग मंदिर और श्रद्धालु सुविधाओं के विकास एवं रख - रखाव में किया जा रहा है। बैठक की शुरूआत में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य छिंदवाड़ा - पांढुर्णा सांसद श्री विवेक बंटी साहू, पूर्व मंत्री श्री नाना भाऊ मोहोड़, पांढुर्णा विधायक श्री निलेश ऊईके और सौंसर विधायक श्री विजय रेवनाथ चौरे ने मुख्यमंत्री डॉ.यादव का पौधा भेंट कर स्वागत किया। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में अशासकीय सदस्यों के साथ ही जबलपुर संभाग के आयुक्त श्री धनंजय सिंह, आईजी जबलपुर श्री प्रमोद वर्मा, कलेक्टर श्री नीरज वशिष्ठ, डीआईजी श्री राकेश सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रकाश चंद्र परिहार, सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सांदीपनी स्कूल पांढुर्णा में आयोजित सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। उन्होंने स्वरोजगार मूलक योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा किए जा रहे कार्यों तथा स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे उत्पादों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ वितरण के साथ मुख्यमंत्री स्कूटी योजना अंतर्गत कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की। मुख्यमंत्री ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोरडोंगरी की छात्रा श्वेता साबले, विद्यार्थी दीपांशु पराड़कर तथा सांदीपनी स्कूल की छात्रा दिव्या करबे को स्कूटी प्रदान की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन मंडल सामान्य के स्टॉल का अवलोकन करते हुए वहां प्रदर्शित आयुर्वेदिक एवं औषधीय उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वन एवं औषधीय संसाधनों से तैयार किए जा रहे उत्पादों को उपयोगी बताते हुए इनके बेहतर प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने ऊर्जा विभाग, ऊर्जा विकास निगम के स्टॉल अवलोकन के दौरान प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की जानकारी ली। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के स्टॉल पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय उद्यमियों द्वारा तैयार किए जा रहे अचार, टोमेटो सॉस एवं विभिन्न प्रकार के मसालों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्टॉल पर महिला स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा तैयार किए गए लिप्पन आर्ट, मोजेक आर्ट एवं टी-लाइट क्राफ्ट सहित अन्य हस्तशिल्प उत्पादों का अवलोकन कर महिलाओं के हुनर की सराहना की। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण के स्टॉल पर मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक खेती से उत्पादित सब्जियों, अनाज तथा हल्दी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए गए। खेड़ीकला निवासी तुषार सुभाष काकड़े को ड्रिप इरिगेशन हेतु अनुदान राशि 1 लाख रुपए, भंदारगोंदी निवासी मोहन हिवसे को औजार अनुदान योजना तथा पुनम दुधकवरे, अश्विनी राजू सावकर, वैशाली हेमंत सौदागर, हर्षला वानखेड़े एवं किशोर दुधकवरे निवासी पांढुर्णा को प्रधानमंत्री श्रम योगी पेंशन योजना का लाभ प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रमेश कोहले एवं सुरेश वघाले निवासी पांढुर्णा को वृद्धा पेंशन स्वीकृति, पांढुर्णा निवासी मनिषा बारंगे को दिव्यांग पेंशन योजना, कुरेशा बी को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। पांढुर्णा निवासी योगिता तायवाडे को व्हीलचेयर एवं ब्रेलीकेट, पांढुर्णा निवासी ओम प्रकाश मानकर एवं अशोक शहगल को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 का लाभ मिला। पांढुर्णा निवासी मंदा वानखड़े, पूजा योगेश, अपूर्वा ठोमेरे एवं तरुण ठोमेरे को खाद्यान्न पात्रता पर्ची प्रदान की गई। पिपलपानी निवासी विजेश साहेबराव भादे को बीआरसी योजना के तहत बायो रिसोर्स सेंटर का लाभ मिला, पार्वती तिवारी एवं मनोहर धारपुरे निवासी पांढुर्णा को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांढुर्णा जिले में सेवा मेरा योगदान एवं सेवा सेतु अभियान में सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सांदीपनि स्कूल, पांढुर्णा में ह्महमारे वृद्ध, हमारा स्वाभिमानह्व एवं ह्महमारे बच्चे, हमारा स्वाभिमानह्व थीम पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित वृद्धजनों का शॉल, श्रीफल से सम्मान करते हुए उन्हें फलों की टोकरी भेंट की। उन्होंने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के बच्चों से भी आत्मीय भेंट की। उन्होंने बच्चों को ड्रॉइंग किट, मिठाइयां एवं चॉकलेट वितरित कीं। उन्होंने बच्चों से संवाद किया और दुलार किया।

एशियन गेम्स में चमके भारत के सितारे: विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल। जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा की चमक को पूरी दुनिया ने देखा है। भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरी दुनिया को भारत की बढ़ती खेल शक्ति का परिचय कराया। तिरंगे की आन, बान और शान के लिए मैदान में उतरे हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर पदक तालिका में भारत को गौरवपूर्ण चौथा स्थान दिलाया। यह उपलब्धि केवल पदकों की संख्या नहीं बल्कि भारत की युवा खेल प्रतिभा के निरंतर निखरते सामर्थ्य और वैश्विक खेल मंच पर बढ़ते प्रभाव की स्वर्णिम चमक है। वहीं इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 10 मेडल जिनमें 5 स्वर्ण, 4 रजत 1 कांस्य पदक अर्जित कर अपनी सर्वोच्च प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विशेष योगदान दिया है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज खेल भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। मोदी जी के मार्गदर्शन में एवं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया जी के नेतृत्व में खेलो इंडिया जैसी योजना के माध्यम से देश में खेल संस्कृति को मजबूत करने, प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। छोटे शहरों, गांवों और सामान्य परिवारों से आने वाले युवा आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके पास अब केवल प्रतिभा नहीं बल्कि उसे निखारने के लिए अवसर, प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धी वातावरण भी उपलब्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री जी का यह विजन कि भारत का युवा केवल खेलों में भाग लेने वाला नहीं बल्कि दुनिया में भारत का नेतृत्व करने वाला बने, आज मैदानों में दिखाई दे रहा है। मिट्टी के मैदानों से लेकर आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक, स्कूलों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम तक, भारत की नई पीढ़ी खेलों को अपना भविष्य बनाने के लिए निरंतर आगे बढ़ रही है।वहीं मध्यप्रदेश में भी हम प्रधानमंत्री जी के विजन को दृष्टिगत रखते हुए एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में खेल, खिलाड़ी और खेल मैदान के उन्नयन व विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। प्रदेश में 18 खेलों की 11 अकादमी संचालित हैं। इन अकादमियों में विश्व स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं। नवीन सीएम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स योजना के तहत प्रदेश की सभी 230 विधानसभा में खेल परिसर का निर्माण किया जा रहा है। खेलो एमपी यूथ गेम्स, पार्थ योजना, खेलो बढ़ो अभियान, टैलेंट सर्च, समर कैंप सहित अन्य आयोजनों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की तलाश और उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।इस प्रतियोगिता में भारत के खिलाड़ियों ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कर विश्व पटल पर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। भारत के कुल पदकों में एथलेटिक्स का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसमें कुल 24 पदक जीते गए। इसके बाद शूटिंग का नंबर रहा, जिसमें 15 पदक मिले। इनमें तीन बार खिलाड़ी टॉप पोडियम पर रहे। बॉक्सिंग में भी तीन स्वर्ण पदक मिले, जिनमें लवलीना बोरगोहेन भी शामिल थीं। आर्चरी में सबसे ज्यादा पांच बार खिलाड़ी शीर्ष पोडियम पर रहे। अमन सहरावत और सुजीत कलकल ने रेसलिंग में एशियन गेम्स चैंपियन का खिताब जीता। भारत की महिला और पुरुष क्रिकेट, कबड्डी और हॉकी टीमों ने गोल्ड मेडल हासिल किए। नीरू ढांडा, कुमकुम मोहोद, गुलवीर सिंह और विथ्या रामराज जापान में भारत के प्रमुख प्रदर्शन करने वाले एथलीट में शामिल रहे, जिन्होंने कई पदक जीतने में योगदान दिया। सुचिका तरियाल ने महिला ट्रेडिशनल -60 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में भारत का पहला एशियन गेम्स पदक हासिल किया। सेमी-फाइनल में पहुंचने के बाद जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में भी वही कारनामा दोहराया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और इस टूनार्मेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। बाद में पुरुष टीम ने भी पाकिस्तान को फाइनल में करारी शिकस्त देकर अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाया। वहीं, शूटर नीरू ढांडा ने महिलाओं के ट्रैप इवेंट में जीत हासिल करके एशियन गेम्स 2026 में भारत का पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीता। मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। इसके साथ ही उन्होंने 1998 के बैंकॉक गेम्स के बाद वेटलिफ्टिंग में भारत के लिए पहला एशियाई गेम्स मेडल हासिल किया। रोशिबिना देवी ने भी वुशू में लगातार अपना तीसरा कॉन्टिनेंटल मेडल जीता। सीमा कुमारी ने भी एशियाई गेम्स में महिलाओं की 10,000 मीटर दौड़ में मेडल जीतकर भारत के 16 साल बाद पदक जीता। कमलजीत और सुरुचि सिंह ने मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड मेडल जीतने के दौरान एशियन रिकॉर्ड की बराबरी की। बरानिका इलांगोवन ने ब्रॉन्ज मेडल जीता और एशियन गेम्स में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय पोल वॉल्टर बन गईं। सावन बरवाल ने नया नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए 1982 के बाद मैराथन में भारत का पहला मेडल जीता। स्क्वैश में, अनाहत सिंह एशियन गेम्स में वूमेंस सिंगल्स सिल्वर मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। विथ्या रामराज ने वूमेंस 400 मीटर हर्डल रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर 42 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा। जैवलिन थ्रो इवेंट में यश वीर सिंह और रोहित यादव ने भारत के लिए दो मेडल पक्के किए। उन्होंने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते। चिकिता तनिपार्थी और साहिल जाधव ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर एलए 2028 ओलंपिक कोटा हासिल किया। अंकिता भकत, कुमकुम मोहोद और कीर्ति शर्मा ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर एशियन गेम्स में भारत के लिए वूमेंस टीम रिकर्व इंवेट का पहला गोल्ड मेडल जीता। महान मुक्केबाज मैरी कॉम (इंचियोन 2014) के बाद एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली लवलीना बोरगोहेन दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बन गईं। भारत ने 44 साल बाद एशियन गेम्स में महिला हॉकी का खिताब भी जीता। 17 साल की कुमकुम मोहोद इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में व्यक्तिगत रिकर्व गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। प्रणवी उर्स गोल्फ में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।वहीं मध्यप्रदेश के खिलाड़ी भी इस गौरवमयी उपलब्धि में अहम योगदान दिया। मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांढा ने शूटिंग (शॉटगन) के वुमेंस ट्रैप इंडिविजुअल में स्वर्ण, ट्रैप मिक्स्ड टीम में स्वर्ण और वुमेंस ट्रैप टीम में रजत पदक सहित नीरू ने 3 मेडल हासिल कर इतिहास रचा। मनीषा कीर ने शूटिंग (शॉटगन) वुमेंस ट्रैप टीम में रजत पदक, ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने शूटिंग (राइफल) 50मी. राइफल 3 पोजिशन मेन्स टीम में सिल्वर पदक, आशी चौकसे ने शूटिंग (राइफल) 50मी. राइफल 3 पोजिशन वुमेंस टीम में सिल्वर पदक, पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रहे विवेक सागर ने स्वर्ण पदक, महिला हॉकी टीम का हिस्सा रहीं इशिका चौधरी ने स्वर्ण पदक, क्रांति गौड़ ने क्रिकेट (टीम इवेंट) में स्वर्ण पदक, जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस (व्यक्तिगत स्पर्धा) में कांस्य पदक अर्जित कर प्रदेश व देश का मान बढ़ाया है।भारत के युवा खिलाड़ी आज केवल पदक नहीं जीत रहे, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए सपनों की नई सीमा तय कर रहे हैं। पदक मंच पर जब भारतीय खिलाड़ी तिरंगे को अपने कंधों पर लेकर खड़े होते हैं और राष्ट्रगान की धुन बजती है, तब वह क्षण केवल खिलाड़ी का नहीं होता बल्कि वह 140 करोड़ भारतीयों के गौरव का क्षण होता है। एशियन गेम्स में चमके भारत के इन सितारों ने एक बार फिर साबित किया है कि भारत की युवा शक्ति दुनिया के किसी भी मंच पर इतिहास रच सकती है।

निवेश के नाम पर राशि दोगुनी करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

मंडला में करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतों की जांच



भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आमजन को निवेश के नाम पर कम समय में अधिक लाभ का प्रलोभन देकर आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंडला जिले में निवेश की राशि कम समय में दोगुनी कर लौटाने का लालच देकर लोगों से राशि प्राप्त करने संबंधी प्रकरण में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 32 लाख रुपए नकद, तीन स्कूटी, एक मारुति ब्रेजा कार, एक हुंडई अल्काजार कार तथा एक मोबाइल फोन सहित लगभग 66 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जब?त की है। प्रकरण की जांच में अब तक करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतें सामने आई हैं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मंडला पुलिस द्वारा विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश एवं पतासाजी की गई। टीमों द्वारा नागपुर, गोंदिया, मुंबई, बालाघाट सहित विभिन्न स्थानों पर जानकारी एकत्र कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस की समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप गोंदिया, बालाघाट एवं मंडला से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हुंडई अल्काजार कार पूर्व में गिरवी रखी हुई थी, जिसे आरोपियों द्वारा कथित रूप से धोखाधड़ी से प्राप्त राशि में से 11 लाख रुपए नकद देकर छुड़ाया गया था। पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का वाहनों एवं अन्य वस्तुओं की खरीद में उपयोग किए जाने के संबंध में भी जांच की जा रही है। जांच में एक आरोपी के विरुद्ध महाराष्ट्र के नागपुर जिले के नंदनवन थाने में भी धोखाधड़ी का प्रकरण पंजीबद्ध होना सामने आया है। उक्त प्रकरण में आरोपी के जमानत पर होने की जानकारी प्राप्त हुई है। वर्तमान प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर निवेशकों की पहचान, उनसे प्राप्त राशि, आपसी वित्तीय लेन-देन, अर्जित संपत्तियों तथा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। प्रकरण की जांच जारी है। मध्यप्रदेश पुलिस आमजन से अपील करती है कि कम समय में धनराशि दोगुनी करने अथवा असामान्य रूप से अधिक लाभ देने के प्रलोभन में अपनी जमा पूंजी निवेश न करें। किसी भी निवेश योजना में राशि लगाने से पूर्व उसकी सत्यता एवं वैधानिकता की जांच अवश्य करें। संदिग्ध निवेश योजना अथवा धोखाधड़ी की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

भाला और बंदूक के चैंपियन पहुंचे बांधवगढ़



भोपाल। वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को खेल और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने जंगल सफारी का आनंद लिया और वन अधिकारियों तथा मैदानी अमले से बाघ संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन और ईको-टूरिज्म से जुड़े प्रयासों पर चर्चा की। दोनों खिलाड़ियों ने बांधवगढ़ की जैव विविधता को करीब से देखा और वन्यजीव संरक्षण में वनकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। वन्यजीव सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में दोनों खिलाड़ियों ने टाइगर रिजर्व के कोर गेट पर लगाए गए हस्ताक्षर अभियान के संकल्प बोर्ड पर हस्ताक्षर कर वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने वाले संदेश भी दिए गए। दोनों खिलाड़ियों ने प्रशिक्षु वनरक्षकों से संवाद किया और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण की जिम्मेदारियों के साथ वनकर्मियों के लिए अपने स्वास्थ्य और फिटनेस पर ध्यान देना भी जरूरी है। नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने वनकर्मियों को समय निकालकर खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वन अमले के समर्पण की सराहना करते हुए स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का संदेश दिया। हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से वन्यजीवों का सम्मान करने, प्लास्टिक के उपयोग से बचने, जंगल को स्वच्छ और शांत रखने तथा जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इसके जरिए पर्यटकों और आम लोगों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने के लिए प्रेरित किया गया। बांधवगढ़ में नीरज चोपड़ा और गगन नारंग की मौजूदगी ने वन्यजीव सप्ताह के आयोजन को खास बना दिया। दोनों खेल हस्तियों की सहभागिता से वन्यजीव संरक्षण के संदेश को आमजन तक पहुंचाने के प्रयासों को बल मिला। दोनों खिलाड़ियों के दौरे ने प्रकृति संरक्षण, वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने का संदेश दिया। वन्यजीव सप्ताह के दौरान खेल जगत की इन हस्तियों की भागीदारी ने संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान

तखला पहुंचकर कलेक्टर श्री तिवारी ने लिया विकास कार्यों का जायजा



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। गांव की चौपाल से लेकर स्कूल की कक्षा और आंगनवाड़ी केंद्र तक पहुंचकर ग्रामीणों एवं बच्चों से सीधे संवाद स?थापित कर जमीनी स्तर पर विकास कार्यों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने विकासखंड कटनी के ग्राम तखला का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया और ग्रामीणों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर श्री तिवारी ने शासकीय प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी केंद्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी पढ़ाई-लिखाई जानी, शैक्षणिक दक्षता परखी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर, वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार, एसडीएम कटनी श्री जितेन्द्र पटेल, सरपंच ग्राम तखला श्री अनिल सिंह चौहान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनवाड़ी में योजनाओं की स्थिति

जानी, शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश

आंगनवाड़ी केंद्र में कलेक्टर श्री तिवारी ने गर्भवती महिलाओं के ऑनलाइन पंजीयन, पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड तथा बच्चों के टीकाकरण की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बच्चों के शत-प्रतिशत टीकाकरण के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कक्षा 5 के छात्र ने पढ़कर

सुनाया अंग्रेजी का पाठ

शासकीय प्राथमिक शाला में कलेक्टर श्री तिवारी ने बच्चों की पढ़ाई के स्तर का सहज तरीके से परीक्षण किया। उन्होंने कक्षा 5 के छात्र रोशन साहू से अंग्रेजी विषय के ह्यद लिटिल प्लांटह्ल चैप्टर की तीन लाइन पढ़कर सुनाने को कहा। कलेक्टर के कहने पर रोशन साहू ने बिना झिझक आत्मविश्वास के साथ अंग्रेजी की तीन लाइन पढ़कर सुनाईं। रोशन की प्रस्तुति पर कलेक्टर ने उसका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने प्रधानाध्यापक श्री दिनेश पाली को निर्देश दिए कि विद्यालय के अन्य बच्चों को भी अंग्रेजी पढ़ने और बोलने की नियमित प्रैक्टिस कराई जाए, ताकि उनमें अंग्रेजी भाषा के प्रति आत्मविश्वास विकसित हो।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण

इसके उपरांत कलेक्टर श्री तिवारी ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक व्यवस्थाएं पर्याप्त रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक व्यवस्थाओं का नियमित रूप से जायजा लिया जाए।



सेवा संकल्प अभियान के तहत बड़वारा में सांसद, विधायक ने शहीदों के परिवार और पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

शहीदों की शहादत को नमन पूर्व सैनिकों का सम्मान कर जताया कृतज्ञता भाव

कटनी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बड़वारा में सेवानिवृत्त सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों के सम्मान में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों की शहादत को नमन करते हुए उनके परिजनों और पूर्व सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। शहीद परिवारों के सम्मान के दौरान वातावरण भावुक हो उठा और उपस्थित जनों ने वीर सपूतों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद किया। कार्यक्रम में शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, विधायक श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक सोनी टंडन, सांसद प्रतिनिधि श्री पद्मेश गौतम सहित पूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष, पूर्व सैनिक, शहीद सैनिकों के परिजन, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सैनिकों का त्याग देश के लिए सर्वोच्च प्रेरणा

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक अपने परिवार के साथ-साथ पूरे राष्ट्र की सुरक्षा का दायित्व अपने कंधों पर लेकर चलते हैं। उनके साहस, त्याग और समर्पण के कारण ही देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन यापन कर पाते हैं। शहीद सैनिकों का बलिदान देश कभी नहीं भूल सकता और उनके परिवारों का सम्मान प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त सैनिकों ने भी अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष राष्ट्रसेवा में समर्पित किए हैं। उनका अनुशासन, अनुभव और राष्ट्र के प्रति समर्पण समाज और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। **सैनिकों के सम्मान और सशक्तिकरण को मिली नई प्राथमिकता-** वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश की सुरक्षा और सुरक्षा बलों के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है। सैनिकों के मनोबल को बढ़ाने, उनकी सुविधाओं का विस्तार करने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों में उन्हें मजबूत समर्थन देने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। आवश्यक परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई के लिए सेना को अधिक स्वतंत्रता देने की नीति से जवानों का मनोबल और विश्वास मजबूत हुआ है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि समाज में सेवा, राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यबोध की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। समारोह के अंत में उपस्थित नागरिकों ने शहीदों की वीरता को नमन करते हुए पूर्व सैनिकों एवं शहीद परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की।

सेवा मेरा योगदानर अभियान के अंतर्गत कृत्रिम उपकरणों का

वितरण कर बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता और सेवा का दिया संदेश

"सेवा संकल्प अभियान" के तहत श्री कृष्ण वृद्ध आश्रम में हुआ बुजुर्गों का सम्मान और सेवा



कटनी। *"सेवा मेरा योगदान" अभियान ("सेवा संकल्प अभियान" अंतर्गत)* के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दद्दा धाम स्थित श्री कृष्ण वृद्ध आश्रम में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित कर वृद्धजनों की सेवा और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा,उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्री अनुराग मोदी, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष श्री सुनील उपाध्याय,भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री पारस जैन,उपाध्यक्ष श्री सचिन निषाद,एनकेजे क्षेत्र के भाजपा मंडल महामंत्री श्री आशीष मिश्रा, श्री शरद जी, श्री सिद्धार्थ जैन, श्री कृष्ण धाम के संचालक श्री नीरज, वरिष्ठ पत्रकार श्री संजीव श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। **कृत्रिम अंग वितरण के साथ चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण सम्मान और सेवा का अनुपम संगम-** जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मेहरा, उपसंचालक श्री मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृद्ध समाज की अनमोल धरोहर है। इनका अनुभव हमें बहुत कुछ सिखाता है। इनकी सेवा और सम्मान सर्वोपरि है। कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पहार भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बुजुर्गों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके जीवन के अनुभव सुने और उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। वृद्धजनों के सम्मान, आत्मीयता और उनकी जरूरतों की पूर्ति को सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कार्यक्रम में संवेदनशीलता एवं सामाजिक सरोकार का संदेश दिया गया। विभाग द्वारा जरूरतमंद वृद्धजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम अंग, स्टिक, बैसाखी, श्रवण यंत्र सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित कर सेवा की गई। इस दौरान बुजुर्गों का चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं आवश्यक तथा उचित परामर्श दिया गया। कार्यक्रम में मधुर भजन प्रस्तुति ने वातावरण को भावपूर्ण बना दिया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वृद्धजनों के चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह भर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अपनत्व और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

इनकी रही मौजूदगी

इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री तेज सिंह केशवाल, स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक कमलेश सैनी, बालमुकुंद मिश्रा, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, श्री धीरेंद्र सिंह, श्री मयंक मिश्रा, श्री शरद सोनी, श्री अमित दुबे, श्री भारत सिंह सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसआईआर के दौरान छूटा नाम दस्तावेज देकर मतदाता सूची में जुड़वा सकेंगे पात्र मतदाता

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जिले में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान अनमैप्ड अथवा तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस जारी होने और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने के चलते जिन पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से पृथक हो गए हैं, उनके नाम पुनः मतदाता सूची में दर्ज कराने की प्रक्रिया की जाएगी। इसके लिए बीएलओ द्वारा घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पात्र व्यक्तियों से आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए जाएंगे। ऐसे पात्र मतदाता, जिनका नाम एसआईआर के दौरान किसी कारणवश मतदाता सूची में जुड़ने से रह गया है, बीएलओ के संपर्क अभियान के दौरान अपने दस्तावेज उपलब्ध कराकर नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। ऐसे युवा, जिनकी आयु 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, वे भी अपने नजदीकी मतदान केंद्र के बीएलओ से संपर्क कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म-6 भरकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

मार्बल इकाई संचालकों की बैठक 5 को

कटनी। कटनी के प्रसिद्ध ह्लकटनी मार्बलह्ल को भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग दिलाने की दिशा में कलेक्?टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

इसी क्रम में जिले की समस्त मार्बल इकाइयों के संचालकों की बैठक सोमवार, 5 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के कार्यालय में आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि ह्लकटनी मार्बलह्ल के जीआई पंजीयन के लिए म.प्र. लघु उद्योग निगम द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया जा चुका है, जो वर्तमान में प्रक्रिया के अगले चरण में है। स्थानीय मार्बल उत्पादकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उत्पादकों के एसोसिएशन को सह-आवेदक बनाया जाना प्रस्तावित है।

बालिका को सुरक्षित गुजरात से दस्तयाब कर घर पहुंचाया

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को बड़वारा पुलिस ने दबोचा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई के निदेर्शों के तहत बड़वारा पुलिस ने अपहरण एवं दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस ने नाबालिग बालिका को गुजरात से दस्तयाब करने के बाद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई हैं। पुलिस के अनुसार, 20 सितंबर 2026 को एक फरियादी ने थाना बड़वारा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत पर थाना बड़वारा में अपराध क्रमांक 556/26 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 3 अक्टूबर 2026 को गुजरात से अपहृता को दस्तयाब



किया। बालिका के कथनों के आधार पर पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी लवकेश उर्फ लवकुश कुशवाहा ने उसका अपहरण कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण में धारा 64(2)() बीएनएस एवं धारा 5छ/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश तेज कर दी और लवकेश उर्फ लवकुश कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, उप निरीक्षक विष्णु शंकर जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक महेश प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक रघुवीर सिंह, प्रधान आरक्षक आरिफ हुसैन, महिला प्रधान आरक्षक पुष्पलता मिश्रा, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत, महिला आरक्षक रुपाली यादव एवं साइबर सेल आरक्षक दीपक मिश्रा शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि महिलाओं एवं बालिकाओं से जुड़े अपराधों में आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और पीड़ितों को सुरक्षित दस्तयाब करने के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत है।



गांधी जयंती पर जिला चिकित्सालय पन्ना में स्वच्छता पखवाड़ा, शपथ के साथ निकाली जागरूकता रैली

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2026 को जिला चिकित्सालय पन्ना में स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अस्पताल परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल के कर्मचारियों एवं मरीजों के परिजनों ने स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली। इसके बाद स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रैली निकाली गई। कार्यक्रम में वृक्षारोपण के साथ पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि श्रीमती कविता चाणक्य रैकवार, पार्षद वार्ड क्रमांक 13, श्रीमती राजकुमारी लोधी, पार्षद वार्ड क्रमांक 9, ब्रह्माकुमारी बहन सुश्री सीता दीदी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. प्रदीप कुमार गुप्ता, आरएमओ डॉ. हेमंत चौरहा, सहायक प्रबंधक डॉ. दिव्या नागवंशी, मेट्रन श्रीमती गीता श्रीवास्तव तथा जेके सीमेंट प्रतिनिधि सिद्धार्थ परमार सहित अस्पताल का स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

रासलीला की भक्ति में सराबोर हुआ सब जेल पवई परिसर, कंस वध के बाद हुआ कृष्ण-रुक्मिणी विवाह



दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। पवई, जिला पन्ना। सब जेल पवई में जेल प्रशासन के मार्गदर्शन एवं विशेष पहल पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कथा व्यास डॉ. रजनीश शास्त्री जी ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला, कंस वध तथा भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान रासलीला के माध्यम से जीव और परमात्मा के बीच निष्काम प्रेम तथा पूर्ण समर्पण का आध्यात्मिक संदेश दिया गया। इसके बाद भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अत्याचारी कंस के वध का प्रसंग सुनाया गया। कथा व्यास ने बताया कि कंस वध अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह का मनोहारी प्रसंग प्रस्तुत किया गया। विवाह प्रसंग के दौरान सब जेल पवई का पूरा परिसर भक्ति, उल्लास और मंगल भाव से सराबोर हो उठा। उपस्थित जेल स्टाफ एवं बंदियों ने विवाह उत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान कथा के माध्यम से बंदियों को जीवन में सकारात्मक परिवर्तन, सदाचार, आत्मचिंतन और आध्यात्मिक चेतना अपनाने का संदेश दिया गया। जेल प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य बंदियों के भीतर सकारात्मक सोच विकसित करने तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की भावना को प्रोत्साहित करना है।

अवैध मदिरा के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

कटनी। अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा जिले में सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने चार ठिकानों पर दबिश देकर कुल 25.56 लीटर देशी मदिरा बरामद की। आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी मंशा राम उइके के नेतृत्व में वृत्त कटनी क्रमांक-01 एवं कटनी क्रमांक-02 के अंतर्गत माधवनगर, झर्रा टिकुरिया, बस स्टैंड एवं इंद्रा नगर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। टीम ने अवैध मदिरा विक्रय के ठिकानों से देशी मदिरा प्लेन एवं मसाला के कुल 142 पाव जब्त किए। अवैध मदिरा रखने एवं विक्रय करने वाले आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की सुसंगत धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

एसआईआर पश्चात मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान के संबंध में निर्देश

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूर्ण होने के पश्चात विशेष अभियान के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में शनिवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ संपन्न व्हीसी में निर्देशित किया गया है कि सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पूर्व में जारी समस्त पत्रों में अंकित निदेर्शों का क्रियान्वयन करें। सभी बीएलओ को तहसील स्तर पर बुलाकर प्री-एसआईआर की मतदाता सूची एवं वर्तमान मतदाता सूची के आधार पर एक सूची बनवाने के लिए कहा गया है, जिसके तहत प्री-एसआईआर में मतदाता का नाम दर्ज होने व वर्तमान सूची में नाम न होने की स्थिति में संबंधित के नाम के सामने नाम न होने का कारण लेख कर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ सूची साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बीएलए के माध्यम से छूटे मतदाताओं के नाम शामिल करने में सहयोग करने के लिए आग्रह करने हेतु भी निर्देशित किया गया है। सभी बीएलओ द्वारा अपने मतदान केन्द्र क्षेत्र में घर-घर जाकर छूटे मतदाताओं के नाम शामिल करने के लिए फॉर्म-6 भरवाया जाएगा। इस दौरान 18-19 आयु वर्ग के मतदाताओं सहित एक जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाता भी सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा कार्य की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सभी रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को दो दिवस में सूची तैयार करवाकर प्रेषित करने के लिए निर्देशित किया गया है। साथ ही इस कार्य में नायब तहसीलदार को प्रभारी नियुक्त कर ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं पटवारियों को बीएलओ के सहयोग के निर्देश दिए गए हैं।

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES
सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

सेवा सेतु अभियान ह्यसरकार आपके द्वारह्ल शिविर नगर परिषद पवई में संपन्न

पवई। शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार, 4 अक्टूबर 2026 को नगर परिषद पवई में सेवा सेतु अभियान ह्यसरकार आपके द्वारह्ल शिविर का आयोजन किया गया। शासन द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत नगर परिषद पवई में शिविर के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का निराकरण करते हुए उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ना रहा। शिविर में एसडीएम पवई समीक्षा जैन, तहसीलदार पवई रत्नराशि पाण्डेय, नगर परिषद अध्यक्ष वसंत दहायत, अतिरिक्त तहसीलदार द्विवेदी जी, सीएमओ पवई विनीत नगायच, पार्षद आर,पी,बागरी,देवी खटीक, एल्डरमैन जमुना खटीक,पंकज खरे जी सहित नगर परिषद का समस्त स्टाफ एवं नगर के गणमान्य नागरिक,हितग्राही उपस्थित रहे ।

घुघरी और मोहगाँव को मिली महाविद्यालय की सौगात वीरता, जनजातीय गौरव और नर्मदा सभ्झता की पहचान है

मंडला में बनेगा टाइगर सफारी जू और रेस्क्यू सेंटर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव









दैनिक रेवांचल टाईम्स – मंडला। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के 21 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को 149 करोड़ बोनस 460 करोड़ रूपए से अधिक की लागत के 74 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन मंडला को कलेक्ट्रेट भवन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय की भी मिली सौगात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंडला के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मंडला केवल एक जिला नहीं, बल्कि वीरता, जनजातीय संस्कृति और नर्मदा सभ्यता का अद्भुत संगम है। गोंडवाना साम्राज्य की गौरवशाली विरासत वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य, गोंड एवं बैगा जनजातियों की समृद्ध संस्कृति और माँ नर्मदा का आशीर्वाद मंडला को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मंडला के महत्व को और अधिक व्यापक रूप से सामने लाने के लिए वे आने वाले समय में मंडला से जुड़े और भी महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण बिंदुओं को सामने रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंडला में आयोजित तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

तेंदूपत्ता संग्राहकों और वन समितियों को बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला की धरती पर आना सौभाग्य का विषय है। दीपावली का पर्व प्रदेशवासी उत्साह और उमंग के साथ मना सकें इसी उद्देश्य से तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश के 21 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को लगभग 149 करोड़ की बोनस राशि वितरित की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार वनोपज संग्राहकों के हितों और उनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मंडला डिंडौरी, जबलपुर, सिवनी, बालाघाट जिले के 9 लाख 4 हजार 126 तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 की बोनस राशि 36 करोड़ 17 लाख 37 हजार 518 का वितरण किया जा रहा है। इसी प्रकार पूर्व सामान्य एवं पश्चिम सामान्य वनमंडल मंडला की 84 वन समितियों के 39 हजार 399 सदस्यों को वर्ष 2025-26 की 26 करोड़ 56 लाख 53 हजार 929 की काष्ठ लाभांश राशि वितरित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन आधारित अर्थव्यवस्था से जुड़े परिवारों को उनकी मेहनत का उचित लाभ मिले, यह सरकार की प्राथमिकता है।

मंडला में बनेगा टाइगर सफारी जू और रेस्क्यू सेंटर - मुख्यमंत्री

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके की मांग पर मंडला में टाइगर सफारी-जू स्थापित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंडला आने वाले पर्यटक यदि सफारी के दौरान बाघ का दीदार नहीं कर पाते हैं तो जू के माध्यम से उन्हें बाघ सहित वन्यजीवों को देखने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही यहां वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। जिसमें घायल एवं बीमार वन्यप्राणियों का इलाज किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इससे मंडला में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय स्त्र पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने घुघरी एवं मोहगांव में महाविद्यालय प्रारंभ करने की घोषणा करते हुए क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ाने की बात कही। उन्होंने एमएसएमई के माध्यम से चार-चिरौंजी जैसे लघु वनोपज की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की घोषणा भी की जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

नन्हे-मुन्नों के पोषण से जुड़ा मामला; भोजन की गुणवत्ता, मात्रा, मेन्यू और खाद्य सामग्री की जांच कराने की मांग

आंगनवाड़ी के नाश्ते-भोजन की गुणवत्ता पर उठे सवाल, बिछिया परियोजना क्षेत्र में औचक जांच की मांग

दैनिक रेवांचल टाईम्स, भुआ-बिछिया। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय बिछिया के अंतर्गत संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे नाश्ते और भोजन की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आई शिकायतों में दावा किया गया है कि कुछ केंद्रों पर बच्चों को निर्धारित गुणवत्ता और मापदंडों के अनुरूप भोजन नहीं मिल रहा है। हालांकि इन शिकायतों की विभागीय जांच और स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मामला छोटे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ा होने के कारण विभाग को इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल औचक निरीक्षण कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सवाल बच्चों के पोषण का है

आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराना योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में भोजन की गुणवत्ता, पर्याप्त मात्रा और निर्धारित मेन्यू का पालन सीधे बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर से जुड़ता है।

अचानक निरीक्षण से सामने आ सकती है वास्तविक स्थिति- स्थानीय लोगों ने महिला एवं बाल विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि बिछिया परियोजना क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों का बिना पूर्व सूचना औचक निरीक्षण कराया जाए। उनका कहना है कि पूर्व निर्धारित निरीक्षण के बजाय अचानक जांच होने से केंद्रों की वास्तविक व्यवस्था सामने आ सकेगी।

इन बिंदुओं की जांच की मांग- बच्चों को दिए जा रहे नाश्ते एवं भोजन की गुणवत्ता कैसी है? निर्धारित मात्रा के अनुसार भोजन दिया जा रहा है या नहीं? तय मेन्यू का नियमित पालन हो रहा है या नहीं? खाद्य सामग्री की उपलब्धता और भंडारण की स्थिति क्या है? लाभार्थी बच्चों की वास्तविक उपस्थिति और वितरण रिकॉर्ड में समानता है या नहीं?

शिकायत सही निकली तो जिम्मेदारी किसकी?- स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि यदि जांच में निर्धारित मानकों का पालन नहीं होना पाया जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी किस स्तर पर तय होगी। क्या संबंधित जिम्मेदार कर्मचारियों को स्थिति की जानकारी थी, क्या केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही थी और निरीक्षण रिपोर्ट में भोजन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति दर्ज की गई थी- इन पहलुओं की भी जांच की मांग की जा रही है।

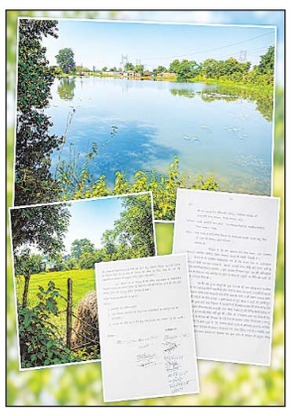


रिकॉर्ड और जमीन की स्थिति का हो मिलान- केवल कागजी रिकॉर्ड देखने के बजाय केंद्र पर मौजूद बच्चों, वितरित भोजन, स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक खाद्य सामग्री का मौके पर मिलान किए जाने की मांग उठी है। इससे शिकायतों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। **नन्हे बच्चों के मामले में समझौते की गुंजाइश नहीं-** आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चे कम आयु वर्ग के होते हैं और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में संतुलित पोषण की अहम भूमिका होती है। ऐसे में भोजन की गुणवत्ता या मात्रा से जुड़ी किसी भी शिकायत को सामान्य प्रशासनिक शिकायत मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि शिकायत गलत है तो निष्पक्ष जांच से स्थिति साफ हो जाएगी, लेकिन यदि कहीं अनियमितता मिलती है तो तत्काल सुधार और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

विभाग से अपेक्षा-जांच हो और तथ्य सार्वजनिक हों

अब निगाह जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग पर है। स्थानीय लोगों की मांग है कि परियोजना क्षेत्र में औचक जांच कर भोजन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए और जांच में जो तथ्य मिलें, उनके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाए। मामला नन्हे-मुन्ने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ा है। ऐसे में विभागीय जांच से ही यह साफ हो सकेगा कि सामने आ रही शिकायतों में कितनी सच्चाई है और आंगनवाड़ी केंद्रों पर निर्धारित पोषण मानकों का पालन किस स्तर तक किया जा रहा है।

भवान में गौठान पर कब्जे और निस्तारी तालाब की लीज को लेकर ग्रामीणों का विरोध, कलेक्टर से कार्रवाई की गुहार



दैनिक रेवाँचल टाईम्स, मण्डला। जनपद पंचायत भुआ-बिछिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मेढ़ाताल के पोषक ग्राम भवान के ग्रामीणों ने सार्वजनिक उपयोग की गौठान भूमि पर कथित कब्जे और चार गांवों के निस्तार के लिए उपयोग होने वाले तालाब को लीज पर दिए जाने को लेकर कलेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर सार्वजनिक गौठान की जमीन से कब्जा हटाने के आदेश के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ, वहीं दूसरी ओर गांव के एकमात्र प्रमुख निस्तारी तालाब को लंबी अवधि की लीज पर दिए जाने से आसपास के गांवों के लोगों के सामने पानी और दैनिक निस्तार की समस्या खड़ी हो सकती है।

गौठान भूमि पर कब्जे का आरोप- ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर को दिए गए आवेदन में खसरा क्रमांक 14/1, 2, 35, 200, 205, 249, 251 एवं 242 से संबंधित भूमि का उल्लेख करते हुए दावा किया गया है कि लगभग 0.82 हेक्टेयर क्षेत्र गौठान मद में दर्ज है, जिसके कुछ हिस्से पर निजी कब्जा किए जाने की शिकायत लंबे समय से की जा रही है। आवेदन में भुवनेश्वर प्रसाद झारिया एवं उनके परिवार के सदस्यों पर कब्जे का आरोप लगाया गया है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी शेष है और संबंधित पक्ष का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

बेदखली आदेश के बाद फिर कब्जे का आरोप- ग्रामीणों के अनुसार 18 मई 2025 को नायब तहसीलदार बिछिया द्वारा करीब 0.20 हेक्टेयर भूमि से बेदखली का आदेश दिया गया था। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आदेश के बाद भी कथित रूप से दोबारा कब्जा कर वहां मछली पालन शुरू कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने 26 मई 2025 को एसडीएम बिछिया तथा 1 जून 2025 को तहसीलदार के समक्ष भी आवेदन प्रस्तुत किया, लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से उनमें नाराजगी है।

एकमात्र निस्तारी तालाब की लीज पर भी सवाल- ग्रामीणों का कहना है कि भवान और आसपास के करीब तीन से चार गांवों के दैनिक निस्तार के लिए यही प्रमुख तालाब उपलब्ध है। इसके बावजूद तालाब को पुनः लंबी अवधि के लिए लीज पर दिए जाने से ग्रामीण उपयोग प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। **ग्रामसभा के प्रस्ताव के बावजूद लीज देने का आरोप-** आवेदन के अनुसार वर्ष 2019 से पहले तालाब को लगभग 10 वर्ष के लिए पट्टे पर दिया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि उस दौरान मछली पालन के लिए गोबर एवं अन्य सामग्री डाले जाने से पानी की गुणवत्ता प्रभावित हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक जून 2019 से तालाब की लीज बंद थी। ग्रामसभा द्वारा मई 2025 और मई 2026 में तालाब को सार्वजनिक निस्तार के लिए सुरक्षित रखने का प्रस्ताव पारित किए जाने का भी दावा किया गया है। शिकायतकताओं का कहना है कि 6 जुलाई 2026 को पुनः इस संबंध में आवेदन दिया गया, इसके बावजूद वर्ष 2026 से तालाब को कथित रूप से 10 वर्ष के लिए लीज पर दे दिया गया।

चार गांवों के निस्तार पर पड़ सकता है असर

ग्रामीणों का कहना है कि यदि तालाब का उपयोग मुख्य रूप से व्यावसायिक मछली पालन के लिए होने लगा, तो आसपास के गांवों के हजारों लोगों के सामने नहाने, पशुओं को पानी पिलाने और अन्य दैनिक निस्तार की समस्या उत्पन्न हो सकती है। **जनसुनवाई में रखीं दो प्रमुख मांगें-** गौठान मद की सार्वजनिक भूमि से कथित कब्जा तत्काल हटाया जाए। निस्तारी तालाब की लीज निरस्त कर उसे ग्रामीणों के सार्वजनिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखा जाए। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि राजस्व रिकॉर्ड, बेदखली आदेश, ग्रामसभा के प्रस्ताव और तालाब की लीज से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर पूरे मामले में शीघ्र निर्णय लिया जाए। **अब प्रशासन की कार्रवाई पर नजर-** मामला सार्वजनिक उपयोग की जमीन और ग्रामीणों के एकमात्र निस्तारी जलस्त्रोत से जुड़ा होने के कारण ग्रामीणों की नजर अब जिला प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर है। प्रशासन तथा संबंधित पक्ष का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद पूरे मामले की तस्वीर और स्पष्ट हो सकेगी।

चौरादादर में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर, गर्भवती माताओं किशोरियों और ग्रामीणों की हुई जांच

दैनिक रेवाँचल टाईम्स, मण्डला। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संचालित ह्लसेवा संकल्प अभियानझ्2026ह्व के अंतर्गत विकासखण्ड निवास के ग्राम चौरादादर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ह्लसेवा मेरा योगदानह्व की भावना के साथ ग्रामीणजनों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाना रहा। **गर्भवती माताओं और किशोरियों का स्वास्थ्य परीक्षण-** शिविर में गर्भवती एवं धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं और अन्य ग्रामीणजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया गया। **पोषण, स्वच्छता और मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर दी जानकारी-** स्वास्थ्य शिविर के दौरान ग्रामीणों को स्वच्छता, पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा किशोरी स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। विशेष रूप से महिलाओं और किशोरियों को स्वास्थ्य से जुड़े लक्षणों को नजरअंदाज न करने, समय पर जांच कराने और संतुलित पोषण अपनाने का संदेश दिया गया। **विभागीय कार्यकताओं ने निभाई सक्रिय भूमिका-** शिविर के आयोजन में एएनएम सुश्री सारिका मार्को, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुश्री गंगोत्री परस्ते और आशा कार्यकर्ता सुश्री सुमरवती मरावी का सहयोग रहा। **नवांकुर संस्था ने ग्रामीणों को शिविर से जोड़ा-** नवांकुर संस्था आदिवासी जनकल्याण विकास संस्थान की ओर से कार्यक्रम समन्वयक आरूणी सिंगरोरे एवं परामर्शदाता उत्तम सिंह परस्ते ने भी सहभागिता की। उन्होंने ग्रामीणजनों को शिविर से जोड़ने और आवश्यक मार्गदर्शन देने में सहयोग किया।

जनभागीदारी से जनआंदोलन का संदेश

कार्यक्रम के माध्यम से ह्लसेवा मेरा योगदान, सेवा से जनभागीदारी और जनभागीदारी से जनआंदोलनह्व की भावना को साकार करने का संदेश दिया गया। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ नियमित जांच, पोषण और स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। आयोजकों ने ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों की निरंतरता पर भी जोर दिया। स्वास्थ्य सेवा से जनभागीदारी तक—चौरादादर शिविर में ग्रामीण स्वास्थ्य और जागरूकता पर रहा विशेष फोकस



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in